epaper.dehatsandesh.com

3 अंडर-19 टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन
5 गुकेश ने अनीश गिरी को हराया, संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंचें
8 जिला कैपेक्स बजट 2026-27 के कार्यों की समीक्षा बैठक

मौसम जम्मू — न्यूनतम 26, अधिकतम 38

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-165 | जम्मू तवी, शनिवार 04 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

बालटाल और पहलगाम बेस कैंप से पहला जत्था पवित्र गुफा के लिए व 3,865 श्रद्धालुओं का दूसरा जत्था जम्मू से रवाना

गांदरबल, 03 जुलाई। श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 का शुभारंभ आज गांदरबल जिले के बालटाल बेस कैंप से श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को विधिवत रवाना किए जाने के साथ हुआ। इस अवसर पर पूरे परिसर में श्रद्धा, उत्साह और भक्ति का वातावरण देखने को मिला।

पहले जत्थे को जम्मू-कश्मीर पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक एवं बालटाल अक्ष के नोडल अधिकारी राहुल यादव, उपायुक्त गांदरबल जतिन किशोर, पुलिस उपमहानिरीक्षक (सशस्त्र) कश्मीर मकसूद-उल-जमान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गांदरबल सुधांशु धामा तथा सिविल एवं पुलिस प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं को यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुरक्षित, शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक रूप से सफल यात्रा की कामना की। बालटाल बेस कैंप बम बम भोले卐 और हर हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। पुरुषों, महिलाओं, बुजुर्ग श्रद्धालुओं तथा साधु-संतों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु पवित्र अमरनाथ गुफा की ओर अपनी यात्रा पर रवाना हुए। यात्रा का शुभारंभ देश की सबसे पवित्र धार्मिक यात्राओं में से एक की शुरुआत का प्रतीक है। साथ ही यह प्रशासन तथा सभी संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों को भी दर्शाता है, जिनके माध्यम से श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, सुगम और यादगार यात्रा सुनिश्चित की गई है।नुनवान बेस कैंप से रवाना होने के बाद श्रद्धालुओं को मोटर वाहन विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई विशेष शटल सेवा के माध्यम से चंदनवाड़ी तक पहुंचाया गया।

मुख्यमंत्री ने विधायकों, व्यापार एवं पर्यटन क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की, विकास, कारोबार और पर्यटन से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की

श्रीनगर, 03 जुलाई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से आज राबिता में कई जनप्रतिनिधियों, विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों तथा अन्य हितधारकों ने मुलाकात की। इस दौरान विकास, जनकल्याण, व्यापार, पर्यटन और कारोबार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। जसरोटा के विधायक राजीव जसरोतिया, हब्बा कदल की विधायक शमीमा फिरदौस तथा डोडा के विधायक मेहराज मलिक ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों की विकास संबंधी प्राथमिकताओं और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों से उन्हें अवगत कराया। विधायकों ने सरकार के ध्यान की अपेक्षा रखने वाले विभिन्न विषयों को उठाया, जिनमें आधारभूत ढांचे का विकास, सार्वजनिक सेवाओं की बेहतर उपलब्धता, चल रही विकास परियोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तथा अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे। इनका उद्देश्य लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। मुख्यमंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों की बात गंभीरता से सुनी और आश्वासन दिया कि सभी वास्तविक और उचित मुद्दों पर विचार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री का विशेष संदेश वाले पम्फलेट श्री अमरनाथ जी यात्रा श्रद्धालुओं को सौंपे गए

श्रीनगर, 03 जुलाई। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने आज नुनवान और बालटाल दोनों आधार शिविरों से श्री अमरनाथ जी यात्रा के श्रद्धालुओं के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विशेष संदेश वाले पम्फलेट सौंपे।

अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने श्री अमरनाथ जी यात्रा पर जाने वाले सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं और मंगलकामनाएं दीं तथा इस पवित्र यात्रा को भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत, सांस्कृतिक एकता और निस्वार्थ सेवा की भावना का शाश्वत प्रतीक बताया।

श्रद्धालुओं को दिए गए संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में श्री अमरनाथ जी यात्रा में भाग लेना अत्यंत सौभाग्य की बात है और यह एक गहन आध्यात्मिक अनुभव है। श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर प्रथम पूजा के साथ आरंभ होने वाली यह वार्षिक यात्रा देश के हर कोने से आने वाले श्रद्धालुओं को बाबा बर्फानी के आशीर्वाद की प्राप्ति के लिए अटूट श्रद्धा के साथ पवित्र मार्ग पर ले जाती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री अमरनाथ जी यात्रा वर्षों से भारत की विविधता में एकता की जीवंत अभिव्यक्ति के रूप में उभरी है, जो विभिन्न क्षेत्रों, भाषाओं और परंपराओं से आए श्रद्धालुओं को भगवान महादेव की आराधना के साझा संकल्प के साथ एकजुट करती है। श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह यात्रा सनातन संस्कृति की स्थायी शक्ति को दर्शाती है और राष्ट्र के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करती है।

श्री अमरनाथ यात्रा श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए तवी रिवर फ्रंट पर नौकायन सुविधा का शुभारंभ

जम्मू, 03 जुलाई। वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा-2026 के दौरान प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं के जम्मू पहुंचने के बीच जम्मू स्मार्ट सिटी लिमिटेड (जेएससीएल) ने तवी रिवर फ्रंट पर बहुप्रतीक्षित नौकायन सुविधा का शुभारंभ किया। यह नई सुविधा श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों के लिए एक नया आकर्षण बनेगी।

नौकायन सेवा का औपचारिक उद्घाटन जम्मू स्मार्ट सिटी लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने किया। इस अवसर पर जेएससीएल के वरिष्ठ अधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। इस सुविधा के शुभारंभ के साथ स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत तवी रिवर फ्रंट को एक आधुनिक और आकर्षक शहरी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है।

विधानसभा की पर्यावरण समिति ने अचन अपशिष्ट प्रबंधन स्थल का दौरा किया, 361 करोड़ रुपये की अचन पुनर्स्थापन परियोजना की समीक्षा की

श्रीनगर, 03 जुलाई। जम्मू-कश्मीर विधानसभा की पर्यावरण समिति ने पर्यावरण संरक्षण और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में आज ईदगाह स्थित अचन अपशिष्ट प्रबंधन स्थल का दौरा कर शहर की प्रमुख कचरा प्रसंस्करण इकाई के कार्यों की समीक्षा की। समिति ने इसके साथ ही अंचार, होकर्सर और खुशहाल सर झीलों तथा उनसे जुड़ी आर्द्रभूमियों का भी मौके पर जाकर निरीक्षण किया। उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पर्यावरण समिति के अध्यक्ष एम.वाई. तारीगामी ने किया। उनके साथ विधायक मुबारक गुल, जावेद रियाज (बेदार), डॉ. सज्जाद शफी, दलीप सिंह, सलमान सागर और शौकत हुसैन गनी मौजूद रहे। इस अवसर पर आवास एवं शहरी विकास विभाग की आयुक्त सचिव मनदीप कौर, जम्मू-कश्मीर विधानसभा के सचिव मनोज कुमार पंडित, श्रीनगर नगर निगम के आयुक्त फजल-उल-हसीब, जम्मू-कश्मीर प्रदूषण नियंत्रण समिति के अध्यक्ष, जम्मू-कश्मीर झील संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एलसीएमए) के उपाध्यक्ष, शहरी पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग (यूईईडी) के मुख्य अभियंता, एसएमसी के संयुक्त आयुक्त तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

 साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

गुलाबी छतरी

बाल कहानी

सोनू ने मन मारते हुए दूसरी छतरी खरीद ली। छतरी खरीद कर वे दोनों घर आ गए। सोनू ने पीले रंग की मोरपंखी छतरी खरीदी थी, लेकिन गुलाबी छतरी के सामने वह अत्यंत फीकी नजर आ रही थी। सोनू मन मारकर मोरपंखी छतरी को लेकर ही स्कूल जाने लगा

चिटू छातेवाले की दुकान पूरे नंदनवन में प्रसिद्ध थी। उसके पास ढेरों रंग-बिरंगे नए-नए छाते मिलते थे। नंदनवन के बच्चों के लिए तो वह

दूर-दूर से नए डिजाइन और कार्टून से सजे छाते लेकर आता था। चिटू बंदर की छातों की दुकान बहुत पुरानी थी। उसके दादा टिकू ने नंदनवन में सबसे पहले छातों की दुकान खोली थी। टिकू दादा के गुजर जाने के बाद उनके बेटे मिटू ने दुकान संभाली। कुछ दिनों से मिटू बीमार था, इसलिए उनका बेटा चिटू दुकान को संभाल रहा था।

बारिश के दिन थे, इसलिए चिटू की बिक्री धड़ाधड़ हो रही थी। उसकी दुकान के छाते अत्यंत मजबूत और बेहतर क्वालिटी के होते थे। एक दिन जुडवां भाई सोनू-मोनू खरगोश उसके पास सुंदर छाते खरीदने के लिए आए।

सोनू-मोनू दोनों को ही एक गुलाबी रंग की छतरी बहुत पसंद आई। उस छतरी पर उनके जैसे ही छोटे-छोटे खरगोश बने हुए थे। सोनू ने उस छतरी को जैसे ही हाथ में उठाया, वैसे ही मोनू ने उससे छतरी छीनते हुए कहा कि यह गुलाबी छतरी मेरी है। तुम दूसरी छतरी देख लो।

वह गुलाबी रंग की छतरी डिजाइनर छतरी थी, इसलिए उसका एक ही पीस बचा था। सोनू ने मन मारते हुए दूसरी छतरी खरीद ली। छतरी खरीद कर वे दोनों घर आ गए। सोनू ने पीले रंग की मोरपंखी छतरी खरीदी थी, लेकिन गुलाबी छतरी के सामने वह अत्यंत फीकी नजर आ रही थी। सोनू मन मारकर मोरपंखी छतरी को लेकर ही स्कूल जाने लगा। नंदनवन में जब झमाझम बारिश होती तो मोनू गुलाबी छतरी लेकर थिरकते हुए सबको चिढ़ाता। वह सोनू को भी उस छतरी को हाथ नहीं लगाने देता था।

सोनू समझदार था, इसलिए वह मोरपंखी छतरी के साथ ही खुश था। एक दिन जब सोनू-मोनू स्कूल से आ रहे थे तो बारिश होने लगी। बारिश रूकने का नाम ही नहीं ले रही थी। घर पहुंचने के बाद सोनू-मोनू ने कपड़े बदले और खाना खाकर खेलने लग गए। सोनू ने अपने घर की खिड़की से झांका तो वह यह देखकर दंग रह गया कि पूरा नंदनवन पानी-पानी हो गया था।

सोनू-मोनू के घर के समीप ही चींटियों के ढेर सारे घर बने हुए थे। पानी में डूब जाने से कई चींटियां मर चुकी थीं। जो बची हुई थीं, वे डरी सहमी अपने लिए सुरक्षित स्थान तलाश रही थीं। सोनू-मोनू दोनों ने अपनी प्रिय दोस्त निक्की, मिक्की, टिक्की और रिक्की चींटियों को पानी के बहाव में बहत दखा ता दोनों का दिल धक्क से रह गया। उन्होंने उनको बचाने की सोची।

सोनू सोच ही रहा था कि वह पानी के बहाव से चींटियों को निकालकर कौन सी सुरक्षित जगह पर रखे तभी मोनू अपनी गुलाबी छतरी लिए हुए आया और उसे खोल कर बोला, छू, जल्दी करो निक्की, मिक्की, टिक्की और रिक्की के साथ मेरी बहुत सारी दोस्त पानी में बह कर मर जाएंगी। उन्हें पानी से निकालकर इस छतरी पर रख दो। यहां ये सुरक्षित रहेंगी। मेरी छतरी सूखी हुई है। जब पानी सूख जाएगा तो हम इन्हें नीचे छोड़ देंगे। तब तक इन्हें घर में ही हम कुछ खाना-पानी देंगे, जिससे कि ये जीवित रहे।'

मोनू की बात सुनकर सोनू ने जल्दी से अनेक चींटियों को बहते पानी से निकाला और उन्हें गुलाबी छतरी के ऊ पर रखता रहा। उसने मोनू से अपनी मोरपंखी छतरी भी खोलने को कहा। इसके बाद तो सोनू-मोनू दोनों ने ही मिलकर छोटे-छोटे जीवों को बारिश के बहाव में बहने से बचाकर उन्हें छातों के ऊपर रख दिया।

उनके छातों पर अनेक चींटियां सुरक्षित बैठी थीं। सभी की जान बच गई थी। कुछ देर बाद बारिश कम हुई। उनके माता-पिता दोनो नौकरी पेशा थे। वे नंदनवन के मॉल में काम करते थे। रात को वह किसी तरह बचकर भीगते-भीगते घर पहुंचे।

उन्होंने देखा कि सोनू-मोनू की छतरियों पर अनेक नन्हीं-नन्हीं चींटियां विराजमान हैं। सोनू-मोनू दोनों ने अपने माता-पिता को विस्तार से सारी बात बताई तो उन्हें अपने बच्चों पर गर्व हुआ। चींटियां उनकी खुली हुई छतरियों पर ही सो गईं। सुबह नंदनवन में ताजी खिली हुई धूप निकली। उस धूप ने पूरे नंदनवन के प्राणियों को जगा दिया। सोनू-मोनू भी जाग गए। कुछ ही देर में धूप से पूरा नंदनवन सूख गया। सोनू-मोनू ने चींटियों को छतरियों पर से जमीन पर उतारा तो मोनू यह देखकर दंग रह गया कि उसकी प्रिय छतरी एक जगह से फट गई थी।

मोनू को गुलाबी छतरी बहुत प्रिय थी। एक बार तो छतरी की हालत देखकर उसकी रूलाई ही फूट पड़ी। लेकिन जब उसने अपनी छतरी पर से अनेक नन्ही-मुन्नी चींटियों को जीवित हंसते-खिलखिलाते हुए गले मिलकर उतरते हुए देखा तो उसे सुकून और शांति का अनुभव हुआ। उसकी टूटी हुई छतरी को देखकर मोनू उसे गले लगाता हुआ बोला, 'दोस्त, छतरी टूटने के कारण दुखी मत होओ। मैं तुम्हें चिटू की दुकान से बिल्कुल ऐसी ही छतरी लाकर दे दूंगा।'

मोनू की बात पर सोनू बोला, 'यह छतरी तो बेजान और निर्जीव थी। इसी ने नंदनवन की अनेक चींटियों को बचाया है। मां-पापा और टीचर भी हमेशा यही कहते हैं कि वही वस्तु अच्छी होती है, जो सदुपयोग में लाई जाती है। इस छतरी को एक न एक दिन तो टूटना ही है।'

सोनू की यह बात सुनकर सभी चींटियों ने खूब सारी तालियां बजाई।

सोनू के माता-पिता और मोनू की आंखों में खुशी के आंसू झलक आए थे। सभी सोच रहे थे कि गुलाबी छतरी ने आखिरकार उनके बेटे को सही राह पर ला ही दिया था।

क्या आप जानते कट्टम-मोक्षपटम के बारे

खेल हर बच्चों को प्रिय खेल होता है। जिसमें कई प्रकार के खेल शामिल हैं। खासकर घर में खेले जाने वाले खेल बच्चों को खासे पसंद आते हैं।और आजकल तो बारिश भी शुरू हो गई है। यह मौसम ऐसा मौसम है जिसमें खेलने पर बच्चों को मम्मी-पापा से काफी डांट खानी भी पड़ जाती है।ऐसे में क्यों न तुम पचीसी और मोक्षपटम जैसे खेल खेलो। नाम पढ़ कर पड़ गए न चक्कर में।भला ये कौन-से खेल हैं! दरअसल, ये सैकड़ों साल पुराने भारतीय बोर्ड गेम्स हैं, जिन्हें आज तुम किसी और नाम से जानते हो। आज इनके बारे में जानते हैं।

पुराने तो हैं ही बेस्ट..

लूडो खेलो

लूडो एक पुराना गेम है। तुम्हारे मम्मी-पापा ने इसे बचपन में खेला होगा। तुम बाजार से इसे खरीद लाओ। ज्यादा महंगा नहीं होता।

फायदे: मम्मी-पापा या भाई-बहन के साथ खेल सकते हो। ग्रुप में खेल कर दोस्तों से अच्छा रिलेशन बना सकते हो। चोट लगने का डर भी नहीं। इसमें गोटी की चाल को सोच-समझ कर चलना होता है, जिससे तुम्हारे दिमाग की कसरत होती है। इसमें जीतता हुआ खिलाड़ी भी अंत तक आते-आते हार जाता है। पूरे खेल में रोमांच बना रहता है।

चेस तो ट्राई करो

भारत में शुरू हुआ यह खेल दिमाग के विकास के लिए काफी अच्छा है। घर बैठे इसे खेल कर इंटेलिजेंट बनोगे और बोर भी नहीं होगे।

फायदे: कन्सन्ट्रेशन बढ़ता है। फोकस करना सीखते हो। इमेजिनेशन का विकास होता है, जो भविष्य के बारे में सोचने की क्षमता को बढमता है। क्या सही क्या गलत, क्या करना सही रहेगा, यह सोचते हैं। प्लानिग, अनुशासन सीखते हो। मैथ्स पर अच्छी पकड़ बनती है।

कैरम है खास

कैरम भी पुराना गेम है। इसे तुम कम खेलते होगे, पर ये बड़ा फायदेमंद है।

फायदे: तेज नजर और हाथों पर कंट्रोल होता है। मैथ्स अच्छा होता है। आंख और हाथ का समन्वय सही रहता है।

सांप-सीढ़ी वाला मोक्षपटम

सांप और सीढ़ी की शुरुआत भी भारत में ही हुई।

पुराने जमाने में इस खेल को मोक्षपटम कहा जाता था। यह भी डाइस बोर्ड गेम्स का ही हिस्सा है। मोक्षपटम धीरे-धीरे इंग्लैंड पहुंचा और वहां इसे स्नेक एंड लैडर्स के नाम से बेचा जाने लगा। इस खेल को एक साथ चार खिलाड़ी खेल सकते हैं। इस खेल में 1 से लेकर 100 तक के खाने बने होते हैं। बोर्ड पर ढेर सारे सांप और सीढियां होती हैं। सांप के काटने पर खिलाड़ी को सांप की पूंछ वाले खाने पर आना पड़ता है, वहीं सीढ़ी चढ़ कर खिलाड़ी कई खाने ऊपर भी पहुंच सकता है। इसमें सांप की संख्या, सीढियों से ज्यादा होती है।

चतुरंग बन गया है शतरंज

चतुरंग यानी शतरंज। इसे तुम चेस के नाम से भी जानते हो। ऐसा माना जाता है कि शतरंज का खेल भी लूडो और सांप-सीढ़ी की तरह सबसे पहले भारत में ही खेला गया। आज तुम इन सब खेलों को जिस रूप में खेल रहे हो, उसमें वक्त के साथ-साथ बदलाव आया है। चतुरंग संस्कृत के दो शब्दों से बना है, जिसका मतलब होता है- चार भाग। हाथी, घोड़ा, रथ और सिपाही चतुरंग के चार हिस्से होते हैं। यह खेल सफेद और काले रंग के बोर्ड पर खेला जाता था। आजकल तुम चेस का जो खेल खेलते हो, उसमें और चतुरंग के बीच की समानता को अनदेखा नहीं किया जा सकता। तब चतुरंग का यह खेल कैसे खेला जाता था, इस बारे में अब तक किसी को कुछ खास पता नहीं है। पर शतरंज के इतिहास को जानने वालों का कहना है कि दोनों खेल के नियम मिलते-जुलते होते होंगे।

इस बारिश इन्हें भी आजमाओ

पिलो गेम

दोस्तों को घर बुलाओ और म्यूजिक चलाओ, तकिए को पास करो, जिस पर म्यूजिक रूका वो डांस करेगा, गाना सुनाएगा, किसी फिल्म का डायलॉग बोलेगा या जानवर की आवाज निकालेगा।

न्यूजपेपर में नाम ढूंढ़ों

इसमें दो-चार से ज्यादा दोस्त मिल कर भी खेल सकते हैं। इसमें एक खिलाड़ी ए, बी, सी, डी या अ, आ, ई, क, ख, ग बोलता है। दूसरा खिलाड़ी जब स्टॉप बोल देता है तो जो अक्षर आता है, न्यूजपेपर में उस एल्फाबेट से शब्द ढूंढ़ने पड़ते हैं। जो पहले पांच शब्द ढूंढ़ लेगा, वह स्टॉप बोल देगा और फिर जिसके जितने शब्द, उसके उतने नम्बर।

गेम्स के कितने सारे फायदे...

वर्ड गेम में आंखों की कसरत होती है।

नए-नए शब्द पढ़ते हो और उनका मतलब भी जानने की कोशिश करते हो। लैंग्वेज अच्छी होती है। पिलो गेम में डांस करने से फिजिकल एक्सरसाइज होती है, जिससे टांगें मजबूत होती हैं।

स्टेज पर जाने से कैसा डर

हम सब कई बार बोलना कुछ और चाहते हैं लेकिन अपनी बेकार की हिचकिचाहट के कारण बोल नहीं पाते।जिससे हमें अक्सर किसी न किसी समस्या का सामना करना पड़ जाता है।देखा जाए तो बोलना भी एक कला है। दोस्तों के बीच बोलना और किसी प्रतियोगिता या सभा में बोलना बिल्कुल अलग ही बात होती है।जब हम दोस्तों से बातचीत कर रहे होते हैं तब हमें डर नहीं लगता, क्योंकि वहां कोई तुम्हें जज नहीं करता। लेकिन जब बच्चे पोडियम पर खड़े होते हैं तब उन्हें हॉल में बैठे मैडम, जज, बच्चे और बाहर के स्कूलों से आए दूसरे बच्चे भी सुन रहे होते हैं। ऐसे में कई बच्चे ठीक से नहीं बोल पाते। कुछ तो हकलाने लगते हैं तो कुछ बोलते-बोलते चुप हो जाते हैं। उन्हें याद किया हुआ भाषण, कविता कुछ भी याद ही नहीं आती। ऐसे में बच्चे रुआंसा सा चेहरा लेकर वापस आ जाते हैं। और दूसरा बच्चा जो बेधड़क बोल कर जाता है उसे अवॉर्ड मिल जाता है।

इसलिए अब तुम खुद तय करो कि तुम किस तरह के बनना चाहोगे।

बोलने से डरना नहीं है। बल्कि कैसे बोलना है, क्या बोलना है, किस तरह से बोलना है, इसकी तैयारी तुम्हें करनी चाहिए। जो भी विषय यानी विषय मिला है उस पर मैडम, पापा, भइया या दीदी से विचार-विमर्श यानी जानकारी हासिल कर अच्छे से तैयारी करनी चाहिए।

पोडियम पर सीधे खड़ा होना ही अच्छा रहता है। दूसरी जरूरी बात यह कि तुम्हारे सामने जो बैठे या खड़े हैं उनकी आंखों में आंखें डाल कर बोलना चाहिए। इससे पता चलता रहता है कि सुनने वाले तुम्हारी बात ध्यान से सुन भी रहे हैं या नहीं। हां, पता है कि जब तुम दूसरे बच्चों को देखते हो तो वो तुम्हें मुंह चिढ़ाते हैं, हंसाने की कोशिश करते हैं। लेकिन तुम्हें उन लोगों को ऐसे देखना है, जैसे वो कुछ नहीं कर रहे हैं। अगर एक बच्चे को ही देखोगे तब मुश्किल है, इसलिए किसी भी एक पर नजरें मत टिकाना। सभी की नजरों में देखने की कोशिश करना।

जिस भी विषय पर बोलना है उसकी प्रैक्टिस घर पर, ग्राउंड में, मिरर के सामने कई बार बोल कर करनी चाहिए। इससे पता चलता है कि कहां गलती हो रही है। कई बार बच्चे पॉकेट में हाथ डालकर खड़े होते हैं तो कई अपने कपड़े, बाल ही संवारते रहते हैं। ऐसे में तुम्हारे मार्क्स कटते हैं और दूसरा जीत जाता है।

बोलते समय तुम्हारा उच्चारण बिल्कुल साफ, शुद्ध और धाराप्रवाह होना चाहिए। तुम्हारी प्रस्तुति कैसी है इस पर भी ध्यान दिया जाता है। इसलिए हाथ, चेहरे, शरीर के हाव-भाव भी जीत दिलाने में मदद करते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

अंडर-19 टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

जम्मू, 03 जुलाई (हि.स.)। युवाओं को खेलों से जोड़ने, खेल भावना को बढ़ावा देने और सामुदायिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारतीय सेना ने राजौरी जिले के कोटरंका स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खवास में अंडर-19 टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया। प्रतियोगिता में जिले भर की आठ टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। टूर्नामेंट का उद्देश्य युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का मंच प्रदान करना था। इस दौरान खिलाड़ियों को फिटनेस, धैर्य और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए भी प्रेरित किया गया। रोमांचक मुकाबलों के बाद खेले गए फाइनल में केरी यंगस्टर ने खवास इलेवनस्टार को कड़े मुकाबले में हराकर खिताब अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना, उत्साह और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया जिसकी स्थानीय लोगों और दर्शकों ने सराहना की। समापन समारोह में भारतीय सेना की ओर से विद्यालय और स्थानीय युवा टीमों को क्रिकेट उपकरण भी वितरित किए गए ताकि क्षेत्र में खेल गतिविधियों को और बढ़ावा मिल सके तथा युवाओं की खेलों में निरंतर भागीदारी सुनिश्चित हो। स्थानीय लोगों और प्रतिभागियों ने भारतीय सेना की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने, उनकी प्रतिभा निखारने और समाज में खेल संस्कृति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने क्षेत्र में युवा सशक्तिकरण और जनकल्याण के लिए सेना द्वारा किए जा रहे प्रयासों के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026- आस्था के पथ पर रेलवे का सहयोग

जम्मू तवी रेलवे स्टेशन बना श्रद्धालुओं का प्रमुख स्वागत द्वार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने परखीं तैयारियां

जम्मू, 03 जूलाई 2026।

बर्फानी बाबा के दर्शनों को आतुर श्रद्धालुओं की सेवा में उत्तर रेलवे का जम्मू मंडल पूरी तरह समर्पित है। श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 के शुभारंभ के साथ ही जम्मू तवी रेलवे स्टेशन देशभर से आने वाले लाखों शिवभक्तों के स्वागत के लिए सज-धज कर तैयार है। यात्रा को सुरक्षित, सुगम एवं यादगार बनाने के लिए मंडल प्रशासन द्वारा स्टेशन पर अभूतपूर्व विशेष प्रबंध किए गए हैं।

इसी कड़ी में आज दिनांक 3 जूलाई को

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, जम्मू श्री उचित सिंघल द्वारा वाणिज्य एवं परिचालन अधिकारियों की टीम के साथ जम्मू तवी रेलवे स्टेशन का व्यापक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य श्री अमरनाथ जी यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को प्रदान की जा रही सुविधाओं की जमीनी हकीकत परखना एवं व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करना था।

श्रद्धालुओं के लिए विशेष होल्डिंग एरिया

स्टेशन परिसर में यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के लिए एक विशाल, हवादार एवं पूर्णतः छायादार *पैसेंजर होल्डिंग एरिया* विकसित किया गया है। इस क्षेत्र में एक साथ सैकड़ों यात्रियों के बैठने की व्यवस्था, लाइट, पंखे,कुलर व पेयजल में व्यवस्था की गई है। साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देते हुए 24×7 हाउसकीपिंग स्टाफ तैनात किया गया है।इसी के साथ ग्रीष्म ऋतु एवं भीड़ को देखते हुए प्लेटफार्मों पर त्वरित वाटरिंग एवं कर्मचारी तैनात किए गए हैं, जिससे प्रत्येक गाड़ी में समयबद्ध पानी भरा जा सके और यात्रियों को असुविधा न हो।

स्टेशन पर 24×7 हेल्प डेस्क संचालित है।

यहां रेलवे कर्मचारियों के साथ-साथ स्काउट-गाइड भी यात्रियों को ट्रेन समय-सारणी, प्लेटफार्म जानकारी, मेडिकल सहायता एवं अन्य जरूरी मार्गदर्शन उपलब्ध करा रहे हैं। यात्रा अवधि में भीड़ नियंत्रण एवं सुचारू यात्री संचलन हेतु स्टेशन पर वरिष्ठ रेलवे पर्यवेक्षक की 24×7 तैनाती की गई है। साथ ही अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टाफ, वाणिज्य कर्मचारी एवं आरपीएफ के जवान लगातार प्लेटफार्मों पर निगरानी रख रहे हैं साथ ही रेलवे स्टेशन व परिसर में सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से भी विशेष निगरानी का प्रबंध किया गया हैं व सुरक्षा के मद्देनजर 24 घंटे वार रूम में रेलवे स्टाफ द्वारा निगरानी की जा रही हैं, अतिरिक्त बल सदस्यों की भी सुरक्षा को देखते हुए, नियुक्ति की गई हैं।

इसी श्रृंखला में जम्मू रेलवे स्टेशन का प्लेटफॉर्म 4 और 5 को ट्रेनों के संचालन हेतु, शुरू किया गया हैं। जिसमें आज दिनांक 3 जूलाई को ट्रेन संख्या 13152 का संचालन नए प्लेटफार्म से किया गया। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन व प्लेटफार्म की जानकारी के लिए

नियमित रूप से उद्घोषणा की जा रही है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, जम्मू ने निरीक्षण के दौरान सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने एवं श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार रखने के निर्देश दिए।

रेल प्रशासन की श्रद्धालुओं से अपील

मंडल रेल प्रशासन सभी अमरनाथ यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे अपनी यात्रा से पूर्व पंजीकरण अवश्य कराएं, केवल अधिकृत टिकट काउंटरों से ही टिकट लें, अनजान व्यक्तियों से खान-पान न लें, प्लेटफार्म पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं एवं किसी भी प्रकार की सहायता के लिए हेल्प डेस्क या *रेल मदद हेल्पलाइन 139* पर संपर्क करें।

उत्तर रेलवे, जम्मू मंडल बाबा अमरनाथ के सभी भक्तों की सुखद, मंगलमय एवं सुरक्षित यात्रा की कामना करता है।

भाजपा मुख्यालय में 'मां किले विच वालिया' और 'चढ़ी चली पेई' शरवाधार भक्ति संगीत एलबम रिलीज

जम्मू, 03 जुलाई (हि.स.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सत शर्मा ने शुक्रवार को त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में माता बावे वाली को समर्पित भक्ति संगीत एलबम मां किले विच वालिया का विमोचन किया। इस अवसर पर एक अन्य भक्ति एलबम चढ़ी चली पेई शरवाधार भी जारी किया गया। मां किले विच वालिया एलबम को अरुण कुमार ने स्वर दिए हैं जबकि इसके गीत सनी जोगी ने लिखे हैं। संगीत सूफिया जोगी ने तैयार किया है। वीडियो का निर्देशन राहुल दत्ता ने और संपादन केडी प्रोडक्शंस ने किया है। एलबम का विमोचन करते हुए सत शर्मा ने पूरी रचनात्मक टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि माता बावे वाली जम्मू के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र हैं और इस प्रकार की सांस्कृतिक एवं धार्मिक प्रस्तुतियां समाज को अपनी आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनती हैं।

उन्होंने कहा कि संगीत सदियों से आस्था, संस्कार और सांस्कृतिक मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम रहा है। मंदिरों, भाषाओं, परंपराओं और भक्ति कला का संरक्षण करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास जम्मू की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करते हैं। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव चरक ने कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रस्तुतियां जम्मू की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वहीं प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश महाजन ने कहा कि भाजपा सदैव सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करती रही है जो सामाजिक समरसता को बढ़ावा देती हैं।

ऑल सेल्स प्रभारी वेद शर्मा ने एलबम को माता बावे वाली के प्रति श्रद्धांजलि बताते हुए पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं।

जम्मू-कश्मीर ग्रामीण बैंक ने लगाया वित्तीय साक्षरता शिविर

जम्मू, 03 जुलाई (हि.स.)। वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जम्मू-कश्मीर ग्रामीण बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सहयोग से ग्राम सरोर में वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया। यह शिविर वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) द्वारा ग्राम पंचायत एवं शहरी स्थानीय निकाय स्तर पर चलाए जा रहे सैचुरेशन अभियान के तहत आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन जम्मू-कश्मीर ग्रामीण बैंक की सरोर शाखा एवं वित्तीय साक्षरता केंद्र जम्मू

द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरबीआई जम्मू के क्षेत्रीय निदेशक चंद्रशेखर आजाद ने की। इस अवसर पर आरबीआई की डीजीएम विभा गुप्ता, रामसरूप, जम्मू-कश्मीर ग्रामीण बैंक के महाप्रबंधक सचिन गुप्ता सहित आरबीआई, विभिन्न बैंकों एवं ग्रामीण बैंक के अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में प्रतिभागियों को डीएफएस के सैचुरेशन अभियान के उद्देश्यों की जानकारी दी गई। उन्हें प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), अटल पेंशन योजना (एपीवाई), प्रधानमंत्री जनधन योजना के निष्क्रिय खातों को पुनः सक्रिय करने, नामांकन अपडेट कराने, री-केवाईसी, नए जनधन खाते खोलने, सी-केवाईसी तथा विभिन्न वित्तीय समावेशन योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही डिजिटल और साइबर धोखाधड़ी से बचाव के उपायों पर भी जागरूक किया गया। अभियान के संदेश को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने के लिए नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि लोग इस अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने परिवार और परिचितों को भी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ने, निष्क्रिय खातों को सक्रिय करने और बिना दावा राशि (अनक्लेम्ड डिपॉजिट) वापस लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि आरबीआई के यूडीजीएएम पोर्टल और संबंधित बैंकों की वेबसाइट के माध्यम से बिना दावा राशि की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दस्तावेज जमा कर धनराशि वापस ली जा सकती है। जम्मू-कश्मीर ग्रामीण बैंक के महाप्रबंधक सचिन गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि बैंक जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पखवाड़ा और राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे की तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू, 03 जुलाई (हि.स.)। भाजपा के संगठन महामंत्री अशोक कौल ने जिला जम्मू उत्तर द्वारा मेजेस्टिक ग्रैंड जम्मू में आयोजित बैठक में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पखवाड़ा के तहत चल रहे कार्यक्रमों तथा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के प्रस्तावित जम्मू दौरे की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष भारत भूषण, प्रदेश महामंत्री बलदेव सिंह बिलावरिया और गोपाल महाजन, जिला प्रभारी अयोध्या गुप्ता, जिला अध्यक्ष नंद किशोर शर्मा, विधायक शाम लाल शर्मा, विधायक सुरिंदर भगत सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा प्रतिनिधि और के उपस्थित रहे।

अशोक कौल ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके अनुशासित और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पखवाड़ा केवल स्मरण का कार्यक्रम नहीं बल्कि उनके विचारों और राष्ट्रवादी दृष्टिकोण को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सं: 45-2026-27-ADEN-1-FZR & 48-2026-27-DEN-HQ-FZR दिनांक: 29.06.2026

मण्डल अभियंता – मुख्या, फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई-निविदाएं, अंतिम तिथि 20.07.2026 & 03.08.2026 समय 15:00 बजे तक www.ireps.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते हैं। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल www.ireps.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, व क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं है।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	पैकेट प्रणाली
खुला	कार्य	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	बोली शुरू की तिथि	निविदा समापन की तिथि तथा समय
25.06.2026	06.07.2026 & 20.07.2026	20.07.2026 & 03.08.2026

क्र. सं.	निविदा संख्या, तारीख	निविदा का विवरण			
1.	45-2026-27-ADEN-1-FZR	सहायक मंडल अभियंता–प्रथम/फिरोज़पुर के अंतर्गत फिरोजपुर में रनिंग रूम का विस्तार (अम्ब्रेला वर्क 2024-25 के तहत 10 अतिरिक्त कमरे बनाकर) और फिरोजपुर में मौजूदा रनिंग रूम में सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करना इसके अतिरिक्त यह काम फिरोजपुर, जालंधर सिटी, शहीद कैप्टन तुषार महाजन उधमपुर और श्री माता वैष्णो देवी कटरा में 10 अतिरिक्त कमरे बनाकर रनिंग रूप का विस्तार करना।			
		विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि (रु.)	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
		81,08,917.89	1,62,200.00	60 दिन	12 महीने
		सामान प्रकृति का कार्य:- "इमारत/आवास का निर्माण।"			
2.	48-2026-27-DEN-HQ-FZR	मंडल अभियंता–मुख्यालय/फिरोजपुर के तहत आने वाले सेक्शन में सेस (cess) मरम्मत का काम – कुल 333255 क्यूबिक मीटर (Cum) काम अलग-अलग जगहों पर होगा: लुधियाना–फिरोजपुर (SL) सेक्शन पर किमी 37.11 से किमी 38.11, किमी 40.13 से किमी 41.14, किमी 48.9 से किमी 49.9, किमी 81.7 से किमी 85.7 तक; फिरोजपुर सिटी–फाजिल्का सेक्शन पर किमी 10.1 से किमी 13.4, किमी 14.5 से किमी 21, किमी 26.2 से किमी 32.4, किमी 36.3 से किमी 41.2, किमी 46.3 से किमी 49.4, किमी 54.7 से किमी 54.9, किमी 64.4 से किमी 64.8, किमी 67 से किमी 67.7, किमी 70.3 से किमी 70.6, किमी 71.2 से किमी 72.1, किमी 76.8 से किमी 77.2, किमी 78.6 से किमी 79.3, किमी 82.7 से किमी 84 तक; कोटkapura–फाजिल्का सेक्शन पर किमी 7 से 8, किमी 10 से 12, किमी 21 से किमी 22.4, किमी 22.6 से किमी 23.3, किमी 41 से किमी 42.5, किमी 42.6 से किमी 43, किमी 56.425 से किमी 56.65, किमी 56.67 से किमी 57.2 तक; और मंडल अभियंता–मुख्यालय/फिरोजपुर के अधिकार क्षेत्र के तहत अबोहर–फाजिल्का खंड पर Km 3.6 से Km 7.2, Km 8 से Km 10.5, Km 16.8 से किमी 20.3, किमी 23.9 से किमी 23.11, किमी 25 से किमी 26.8, किमी 28 से 29.1, किमी 35.2 से किमी 39.6, किमी 41.2 से किमी 41.5 तक।			
		विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि (रु.)	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
		9,65,23,387.54	19,30,500.00	60 दिन	12 महीने
		सामान प्रकृति का कार्य:- "कोई भी सिविल इंजीनियरिंग का काम जिसमें किनारों या कटिंग में मिट्टी का काम शामिल हो।"			

नोट:- 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जाँच करेंगे। 2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करें, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होंगे। 2234/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जसरोटा के विकास को लेकर सीएम से चर्चा, मेडिकल कॉलेज शिलान्यास पर बनी सहमति

कठुआ, 03 जुलाई (हि.स.)। एक महत्वपूर्ण बैठक में जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात कर जसरोटा में प्रस्तावित होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के शिलान्यास सहित क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के दौरान जसरोटा विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास, नई पहल और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। विधायक जसरोटिया ने मुख्यमंत्री को क्षेत्र की आवश्यकताओं से अवगत कराया और विभिन्न परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन की मांग की।

मुख्यमंत्री ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक रुख अपनाया और आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

इस दौरान जसरोटिया ने मुख्यमंत्री के सहयोग और सकारात्मक प्रतिक्रिया के लिए आभार भी व्यक्त किया।

वहीं क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि इस पहल से जसरोटा में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

अमरनाथ यात्रा के लिए भारती एयरटेल ने मजबूत की कनेक्टिविटी, किया नेटवर्क कवरेज का विस्तार

जम्मू, 03 जुलाई। भारती एयरटेल ने आज अमरनाथ यात्रा मार्ग पर अपने मोबाइल नेटवर्क के विस्तार की घोषणा की है। इस पहल से क्षेत्र में तीर्थयात्रियों, सुरक्षाकर्मियों और स्थानीय प्रशासन के लिए कनेक्टिविटी को और मजबूत किया गया है। बालटाल में अपनी मौजूदा उपस्थिति के अलावा, एयरटेल ने चंदनवाड़ी, पिस्सू टॉप और बेताब घाटी में नेटवर्क साइटस तैनात कर महत्वपूर्ण पहलगाम मार्ग पर नेटवर्क कवरेज स्थापित किया है। इसके साथ ही पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर तक जाने वाले मार्ग पर निर्बाध कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई गई है। यात्रा के दौरान संचार इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए यह तैनाती संबंधित सरकारी प्राधिकरणों और स्थानीय प्रशासन के साथ आपसी समन्वय में की गई है। विस्तारित नेटवर्क कवरेज से विश्वसनीय वॉयस और डेटा कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी, आपातकालीन संचार व्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा लाखों तीर्थयात्रियों के लिए डिजिटल पहुंच बेहतर होगी। जम्मू-कश्मीर में भारती एयरटेल के सीओओ, विक्रम आरएस, ने कहा, फ्एयरटेल में हम सबसे चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों में भी लोगों, समुदायों और आवश्यक सेवाओं को निर्बाध रूप से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमरनाथ यात्रा के लिए पहलगाम और बालटाल, दोनों मार्गों पर हमारे नेटवर्क का विस्तार जम्मू-कश्मीर में हमारे निरंतर निवेश का प्रमाण है। साथ ही, इस महत्वपूर्ण वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं, सुरक्षा बलों और प्रशासन को हर समय विश्वसनीय कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) ELECTRIC DIVISION JAMMU

सत्यमेव जयते

NOTICE INVITING TENDER

e-NIT No.EDJ/ 46 of2026-2027 Dated 02-07-2026

For and on behalf of the Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir e-tenders are invited on nion Territory of J&K, CPWD, Railways, MES and other State/Central Governments for each of the following works:-

S. No	Name of Work	Name of Division	Estimated Cost (`in lacs)	Cost of document (in `)	Earnest Money (in `)	Time Allowed for complete-on	Time and date of opening of tender	Class of Contractor
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	Upgradation of Corporate Office JPDCL Electrical Part.	PWD (R&B) Electric Division Jammu	31.90	600/-	63800/-	Linked with Civil Works	11-07-2026 At or after (12 : 00 A.N	"A" Class Electrical Contractor
2.	Construction of Sump Tank with Additional Civil Sanitary and Allied works at Allopathic Dispensary Inderwal Electrical Part.	PWD (R&B) Electric Division Jammu	11.07	600/-	22140/-	Linked with Civil Works	11-07-2026 At or after (12 : 00 A.N	"A" Class Electrical Contractor
3.	Construction of Tourist reception Centre at the entry of District Poonch on Jammu Poonch National Higway Electrical Part.	PWD (R&B) Electric Division Jammu	7.05	600/-	14100/-	Linked with Civil Works	11-07-2026 At or after (12 : 00 A.N	"A" Class Electrical Contractor

The Bidding documents Consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmental website http://jktenders.gov.inas per below schedule.

1	Date of Issue of Tender Notice	02-07-2026
2	Period of downloading of bidding documents	From 02-07-2026 to 10-07-2026, 4:00 P.M
3	Bid submission Start Date	02-07-2026
4	Bid Submission End Date	10-07-2026 up to 4:00 P.M
5	Pre Bid Meeting Date	xxxx at or after xxxxx in the Office of the Executive Engineer PWD (R&B) Electric Division Jammu
5	Date & time of opening of Technical Bids (Online)	11-07-2026 at or after 12:00 A.N in the Office of the Executive Engineer PWD (R&B) Electric Division Jammu
6	Date & time of opening of Financial Bids (Online)	To be notified after technical bid evaluation is completed

1. Position of Administrative Approval = Accorded
2. Position of Technical Sanction = Awaited
3. Position of Funds = Awaited.

1. Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of e-challan through Treasury indicating Treasury Voucher No. & date and also indicating the name of work and NIT No. duly crediting to 0059 (Revenue) favouringExecutive Engineer PWD (R&B) Electric DivisionJammu. uploading a copy of treasury challan/receipt. The original instruments in respect of cost of documents, and relevant documents of L1 be submitted to the Executive Engineer PWD (R&B) Electric Division Jammu.at the time of allotment.
2. Bid Security Declaration should be kept in the Bid documents as per tendered.
3. The date and time of opening of Financial-Bids shall be notified on Web Site www.jktenders.gov.in and conveyed to the bidders automatically through an e-mail message on their e-mail address. The Financial-bids of Responsive bidders shall be opened online in the Office of the Executive Engineer PWD (R&B) Electric DivisionJammu. The date for same shall be intimated separately.
4. The bids for the work shall remain valid for a period of 120 days from the date of opening of Technical bids.
5. The earnest money shall be forfeited, If :-

a) Any bidder/tenderer withdraws his bid/tender during the period of bid validity or makes any modifications in the terms and conditions of the bid.
b) Failure of Successful bidder to furnish the required performance security within specified time period after issue of letter of acceptance.
c) The L-1 Bidder shall have to deposit e-stamp paper of Rs. 100/- alongwith Agreement Form (As per Annexure "B") and other relevant documents with 7 days after issuance of allotment.

6. Instruction to bidders regarding e-tendering process.

6.1 Bidders are advised to download bid submission manual from the "Downloads" option as well as from "Bidders Manual Kit" on website www.jktenders.gov.into acquaint bid submission process.
6.2. To participate in bidding process, bidders have to get 'Digital Signature Certificate (DSC)' as per Information Technology Act-2000. Bidders can get digital certificate from any approved vendors.
6.3. The bidders have to submit their bids online in electronic format with digital Signature. No financial bid will be accepted in physical form.
6.4. Bids will be opened online as per time schedule mentioned above.
6.5. Bidders must ensure to upload scanned copy of all necessary documents mentioned in NIT and SBD with technical bid online.
6.6 That the Bidder is not a PRI member.
6.7 All the information and documents submitted by me are true and correct to the best of my knowledge and if found wrong the bidder shall be liable to face legal proceedings.

No :- EDJ/9021-38
Dated :-02-07-2026

DIP/J-4995/26
Dtd: 3-7-2026

Sd/-
Executive Engineer
PWD (R&B) Electric Division
Jammu

संपादकीय

ड्रोन खतरे पर सख्त कार्रवाई जरूरी

सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी के लिए ड्रोन के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की रिपोर्ट ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने एक नई और गंभीर चुनौती उजागर की है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन घुसपैठ की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है। वर्ष 2021 में जहां ऐसे केवल तीन मामले सामने आए थे, वहीं वर्ष 2025 में इनकी संख्या बढ़कर 305 हो गई। यह स्थिति सरकार और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों से विशेष सतर्कता और प्रभावी कार्रवाई की मांग करती है, ताकि देश को अस्थिर करने की हर साजिश को नाकाम बनाया जा सके। मादक पदार्थों के कारोबार से प्राप्त धन का इस्तेमाल आतंकवाद को बढ़ावा देने, युवाओं का भविष्य बर्बाद करने और अलगाववाद को प्रोत्साहित करने के लिए किया जा रहा है। यह साजिश केवल जम्मू-कश्मीर तक सीमित नहीं है, बल्कि पंजाब और राजस्थान भी इसके निशाने पर हैं।

समय के साथ यह समस्या और अधिक गंभीर होती गई है। कुछ ही वर्षों में न केवल ड्रोन घुसपैठ की घटनाओं की संख्या कई गुना बढ़ी है, बल्कि बरामद किए गए मादक पदार्थों की मात्रा में भी भारी वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021 में ड्रोन के माध्यम से 10 किलोग्राम मादक पदार्थ लाने के केवल तीन मामले दर्ज किए गए थे। वहीं वर्ष 2025 में 305 मामलों में कुल 468 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए गए। यह बढ़ता रुझान गंभीर चिंता का विषय है और इस दिशा में तत्काल तथा प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। यदि इस समस्या की अनदेखी की गई तो इसके दूरगामी दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं।

हालांकि ड्रोन के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी के सबसे अधिक 298 मामले पंजाब में दर्ज किए गए, जहां 461 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद हुए। इनमें 449.751 किलोग्राम हेरोइन, 9.018 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और 2.65 किलोग्राम अफीम शामिल है। वहीं जम्मू-कश्मीर की स्थिति भी चिंता बढ़ाने वाली है। यहां ऐसे मामलों की संख्या दूसरे स्थान पर रही, जहां 5.811 किलोग्राम हेरोइन और 0.447 किलोग्राम अफीम बरामद की गई।

यह संतोष की बात है कि जम्मू-कश्मीर में वर्तमान में 100 दिवसीय नशा मुक्त अभियान के तहत नशे के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की जा रही है। लेकिन सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से हो रही मादक पदार्थों की तस्करी पर भी उतनी ही सख्ती से अंकुश लगाने की आवश्यकता है। भारत किसी भी स्थिति में पाकिस्तान को अपनी नापाक साजिशों के जरिए जम्मू-कश्मीर और पूरे देश की शांति एवं सुरक्षा को प्रभावित करने की अनुमति नहीं दे सकता।

एनसीबी की इस रिपोर्ट ने स्थिति को और स्पष्ट कर दिया है। अब समय आ गया है कि सरकार सीमा पर निगरानी और ड्रोन अवरोधन प्रणाली में मौजूद कमियों को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाए, ताकि कोई भी मानव रहित हवाई वाहन भारतीय सीमा में प्रवेश कर प्रतिबंधित सामग्री की तस्करी न कर सके।

सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद यह स्पष्ट है कि पाकिस्तान की ऐसी हरकतों पर प्रभावी रोक लगाने और भारत के राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक एंटी-ड्रोन तकनीक का शीघ्र अधिग्रहण और व्यापक उपयोग समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है।

नागरिकों और व्यवसायों को सहूलियत - डिजिटल इंडिया की 11 वर्षों की विरासत

बुनियाद तैयार हो जाने के बाद भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) ने समस्याएं सुलझाने के लिए हल तैयार कर नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी बदल दी है। 'डिजिलॉकर' जैसे प्लेटफॉर्मों ने नागरिकों और व्यवसायों के लिए प्रक्रियाओं को बेहद सुचारू बना दिया है। 'डिजिलॉकर' के पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या 70 करोड़ से ज्यादा है और उनके 900 करोड़ से ज्यादा दस्तावेज इस प्लेटफॉर्म पर हैं। इसने कागजी कार्रवाइयों को खत्म कर केवाईसी प्रक्रियाओं और दस्तावेज सत्यापन को फौरन पूरा करना संभव बनाया है। इससे उद्यमों के लिए खर्च और समय में काफी कटौती हुई है। बैंकों, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और वित्तप्रौद्योगिकी संस्थानों को ग्राहकों का सत्यापन करने में कई दिनों के बजाय अब सिर्फ कुछ पल ही लगते हैं।

श्री एस. कृष्णन

सिर्फ एक दशक पहले तक उत्तर प्रदेश के दूरदराज के किसी गांव में किसान को सब्सिडी हासिल करने या उपज बढ़ाने के बारे में सलाह लेने के लिए कागजों के ढेर में सिर खपाना पड़ता था। उस जमाने में कतार में खड़ा होना रिवाज जैसा था। लेकिन आज वह किसान किसी दलाल के बिना ही फसल के बारे में सहायता पा सकता है और सब्सिडी भी सीधे उसके बैंक खाते में जमा हो जाती है।

मौजूदा समय में किसी भी गली से गुजरते हुए आप एक खामोश क्रांति को महसूस कर सकते हैं। एक ऐसी क्रांति जिसने जीने की सहूलियत को बुनियादी तौर पर बदल दिया है। पहले किसी फल बेचने वाले या तिपहिया चालक को लेनदेन नकद में करनी पड़ती थी। लेकिन अब वह गर्व से अपनी ठेली या ऑटोरिक्शा से झूलते क्यूआर कोड की ओर इशारा कर देता है।

102.86 करोड़ नागरिकों के डिजिटल जुड़ाव ने भारत को सशक्त बनाया है। देश में 99.56 करोड़ ब्रॉडबैंड ग्राहकों के विशाल समुदाय से इसे मदद मिली है। मोबाइल डाटा की 8 से 10 रुपए प्रति जीबी की कीमत बेहद किफायती है। लिहाजा, प्रति व्यक्ति मासिक डाटा खपत 24.01 जीबी के असाधारण स्तर पर पहुंच चुकी है। इस डिजिटल बुनियाद ने नागरिकों और सरकार के बीच रिश्ते को पूरी तरह से बदल दिया है। यह रिश्ता विश्वास, पारदर्शिता और डिजिटल स्वायत्तता पर टिका हुआ है।

फासले को मिटाने वाला सेतु

इस क्रांति का पहला कदम पहुंच का लोकतांत्रीकरण तथा एक ऐसा मजबूत और स्वदेशी डिजिटल पहचान फ्रेमवर्क बनाना था जो प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता की गारंटी करे। 'भारतनेट' कार्यक्रम को बड़े पैमाने पर लागू किया गया और इसने लगभग 2.2 लाख ग्राम पंचायतों को तेज रफ्तार ब्रॉडबैंड से जोड़ दिया। इस तरह, इसने सुनिश्चित किया कि आर्थिक अवसरों की राह में भौगोलिक स्थितियां अवरोध नहीं बनें।

144 करोड़ से ज्यादा आधार पहचानों के सृजन के साथ अवसंरचना की छलांग ने 'जनधन', 'आधार' और 'मोबाइल' (जैम) की तिकड़ी को ईंधन प्रदान किया। सरकार संप्रभु डिजिटल पहचान फ्रेमवर्क का इस्तेमाल करते हुए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के जरिए नागरिकों को 51.5 लाख करोड़ रुपए सफलतापूर्वक हस्तांतरित कर चुकी है। इस प्रणाली ने धन की बर्बादी और बिचौलिए की जरूरत को प्रभावी ढंग से खत्म कर दिया है। इसने करोड़ों परिवारों के हाथों में वित्तीय स्वायत्तता सौंप कर उनकी जिंदगी की सहूलियत में नाटकीय सुधार किया है।

डीपीआई: रोजमर्रा की जिंदगी और उद्यम का कायाकल्प

बुनियाद तैयार हो जाने के बाद भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) ने समस्याएं सुलझाने के लिए हल तैयार कर नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी बदल दी है। 'डिजिलॉकर' जैसे प्लेटफॉर्मों ने नागरिकों और व्यवसायों के लिए प्रक्रियाओं को बेहद सुचारू बना दिया है। 'डिजिलॉकर' के पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या 70 करोड़ से ज्यादा है और उनके 900 करोड़ से ज्यादा दस्तावेज इस प्लेटफॉर्म पर हैं। इसने कागजी कार्रवाइयों को खत्म कर केवाईसी प्रक्रियाओं और दस्तावेज सत्यापन को फौरन पूरा करना संभव बनाया है। इससे उद्यमों के लिए खर्च और समय में काफी कटौती हुई है। बैंकों, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और वित्तप्रौद्योगिकी संस्थानों को ग्राहकों का सत्यापन करने में कई दिनों के बजाय अब सिर्फ कुछ पल ही लगते हैं।

सरकार ने गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) के ज़रिए 19.51 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा की खरीद की है। यह छोटे मैन्युफैक्चरर या पहली बार काम करने वाले विक्रेता के लिए, बिचौलियों के बिना सरकारी अनुबंध हासिल करने में बेहतर व्यावसायिक अवसर प्रदान करता है।

दूरदराज से सार्वजनिक सेवाओं का लाभ उठाने के लिए, उमंग एप्लिकेशन ने केंद्र और राज्य सरकार की सेवाओं को सीधे नागरिकों की पहुँच में ला दिया है। यह ऐप अब 11.6 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ताओं को सेवाएँ दे रहा है, जिसके ज़रिए 2,572 सरकारी सेवाओं का लाभ उठाया जा सकता है और इससे अब तक 797.84 करोड़ से अधिक लेनदेन किए जा चुके हैं।

इस पूरे इकोसिस्टमकी सबसे अहम चीज़ यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) है। सड़क के किनारे ठेली लगाने वाले फल विक्रेता को सहूलियत देने वाला क्यूआर कोड एक संप्रभु भुगतान प्रणाली है जिस पर रोजाना 75 करोड़ लेनदेन होते हैं।आज, दुनिया भर में होने वाले कुल तुरंत किये जाने वाले डिजिटल भुगतानों में से लगभग आधे अकेले भारत में होते हैं और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी यूपीआई को दुनिया की सबसे बड़ी तुरंतभुगतान प्रणाली के रूप में मान्यता दी है।

यह उन 24 देशों के लिए बेहद ज़रूरी हो गया है, जिनके साथ भारत ने अपने डिजिटल गवर्नेंस प्लेटफ़ॉर्म को अपनाने और उसी तरह की भुगतान प्रणाली तैयार करने के लिए औपचारिक रूप से समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, यूपीआईअब संयुक्त अरब अमीरात (यूएइ), सिंगापुर और फ्रांस सहित 9 देशों में काम कर रहा है।

प्रौद्योगिकी को एक जन-हित की चीज़ मानने की यह सोच सीधे तौर पर स्वास्थ्य के क्षेत्र में समानता और लोगों के जीवन को आसान बनाने से जुड़ी है। ई-संजीवनी प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए, भारत ने 48 करोड़ से ज़्यादा मुफ़्त टेली-परामर्श की सुविधाएँ दी हैं, जिससे दूर-दराज़ और कम सुविधा वाले इलाकों के मरीज़ भी विशेषज्ञ डॉक्टरों से सलाह ले सकते हैं।

इसी तरह, दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान एक स्वदेशी प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित किया गया था। कोविन के माध्यम से 220 करोड़ से अधिक कोविड-19 वैक्सीन की खुराक दी गई और उनका पारदर्शी रूप से ट्रैक रखा गया।इसने एक ऐसा मजबूत डिजिटल ढांचा तैयार किया जिसका अध्ययन दुनिया भर की स्वास्थ्य प्रणालियों ने किया।

भविष्य पर निगाह

डिजिटल इंडिया के 11वें वर्ष के समापन के साथ, यह मिशन अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों की ओर मजबूती से अग्रसर है, इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि इनका उपयोग भारत और विकासशील देशों की चुनौतियों को हल करने के लिए सार्वजनिक हित के रूप में किया जाए।

सालों तक, कंप्यूटिंग पावर की भारी लागत ने छोटे शहरों के प्रतिभावान युवा नवोन्मेषकों को उन्नत प्रौद्योगिकी से दूर रखा। इंडियाएआई मिशन के तहत, भारत स्टार्टअप्स के लिए व्यापार करने की सुगमता को बढ़ाने के लिए इस बाधा को व्यवस्थित रूप से दूर कर रहा है। सरकार ने सभी की पहुँच को आसान बनाने के लिए एक विशाल, साझा कंप्यूटिंग सुविधा स्थापित की है। देश के घरेलू स्टार्टअप्स और छात्रों को महज 65 रुपये प्रति घंटे की दर से विश्व स्तरीय कंप्यूटिंग क्षमता प्रदान करके, इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर नवोन्मेष को बढ़ावा देना है।हमारा लक्ष्य अपने प्रतिभाशाली कार्यबल के दम पर भारत को दुनिया की एआई एप्लीकेशन का केंद्र बनाना है, जो देश-विदेश के सभी क्षेत्रों में सेवा वितरण को बेहतर बना सके और उद्यमों की उत्पादकता को बढ़ा सके। इसके साथ ही, भारत अपने हार्डवेयर के भविष्य को भी सुरक्षित कर रहा है। सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत, देश भर में 1.65 लाख करोड़ रुपये के निवेश वाली 12 सेमीकंडक्टर निर्माण और पैकेजिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। इसी गति को आगे बढ़ाते हुए, केंद्रीय बजट 2026-27 में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आइएसएम) 2.0 की घोषणा की गई है। यह नया चरण केवल निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि सेमीकंडक्टर उपकरणों और सामग्रियों पर ध्यान केंद्रित करने, पूर्ण भारतीय बौद्धिक संपदा को डिजाइन करने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने पर केंद्रित है।इस योजना के तहत 24 सेमीकंडक्टर डिज़ाइन स्टार्टअप्स को मंजूरी मिलने के साथ, भारत तेजी से अपनी क्षमता निर्माण को गहन प्रौद्योगिकी कौशल में बदल रहा है। यह एक जीवंत घरेलू फैबलेस इकोसिस्टम को बढ़ावा दे रहा है, जो आधुनिक दुनिया को चलाने वाली चिप्स को डिजाइन करता है।

इस पहल की असली विरासत उस देश की सोच में है जो अब नवोन्मेष, बिना रुकावट व्यावसायिक संचालन और शासन को अपनी उंगलियों पर पाना चाहता है। यह सुनिश्चित करके कि प्रौद्योगिकी सबको साथ लाने, आसानी से उपलब्ध होने और संप्रभु ताकत का ज़रिया बने, डिजिटल इंडिया चुपचाप उस विकसित भारत की नींव रख रहा है जिसका सपना हमने 2047 के लिए देखा है।

(लेखक इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव हैं।)

कलकत्ता विश्वविद्यालय की गरिमा को पुर्नस्थापित करने का अवसर

-गिरीश्वर मिश्र

सन् 1857 भारतवर्ष के इतिहास में एक प्रस्थान बिंदु के रूप में स्मरण किया जाता है। तब इतिहास ने करवट ली थी और देश का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का आरंभ हुआ था। इस अत्यंत महत्वपूर्ण घटना की स्मृति के बीच दूसरी बातें अलक्षित ही रह जाती हैं। यह तथ्य भुला दिया जाता है कि उसी वर्ष भारत में पहला आधुनिक विश्वविद्यालय स्थापित हुआ था। अंग्रेजी शासन के केंद्र रहे कलकत्ता में पहले विश्वविद्यालय का आरंभ हुआ था। उसके साथ ही बांबे (अब मुंबई) और मद्रास की रेज़िडेंसियों और फिर 1887 में इलाहाबाद में विश्वविद्यालय स्थापित हुए जिन्होंने देश में आधुनिक ढंग की उच्च शिक्षा की नींव रखी। ये सभी सरकारी विश्वविद्यालय थे जिनकी देखरेख और व्यवस्था राज्य के अधीन थी। शुरू में विश्वविद्यालय का कार्य मात्र परीक्षा आयोजित करने तक सीमित था। धीरे-धीरे उनमें अध्ययन-अध्यापन के साथ शिक्षा देने का कार्य भी शुरू हुआ। कालांतर में अध्ययन विषयों का विस्तार भी हुआ जो विशिष्टीकरण और अब अंतरानुशासनिक दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के केंद्र बनने लगे और वहाँ शिक्षण के साथ विभिन्न विषयों में अनुसंधान का काम भी शुरू हुआ।

स्वतंत्रता मिलने के बाद सामाजिक विकास की दृष्टि से देश में शिक्षा के प्रसार की ज़रूरत महसूस की गई। खासतौर पर आम जनता के लिए शिक्षा पाने की सुविधा बढ़ाने की दृष्टि से भारत में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की संख्या बढ़ने लगी। विगत कुछ दशकों में उनकी संख्या में बड़ी तेजी से उछाल आया है। आज पूरे भारत में ग्यारह सौ से अधिक विश्वविद्यालय हैं और चालीस हज़ार से ज़्यादा महाविद्यालय जिनमें उच्च शिक्षा दी जाती है। सरकारी, अर्ध सरकारी, निजी, विदेशी आदि कई तरह के विश्वविद्यालय शामिल हैं। इनमें कुछ 'डीम्ड टू बी' विश्वविद्यालय भी हैं। इनमें कई तरह का स्तर भेद मौजूद है। विश्वविद्यालयों की संख्या में निश्चित ही कई गुनी वृद्धि दर्ज हुई है। इनमें बहुत सारे ग़ैर सरकारी विश्वविद्यालय धनी लोगों द्वारा या व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा व्यापार-व्यवसाय की तर्ज पर धनार्जन के लिए चल रहे हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों से अधिकाधिक धन उगाही करना है। इन विश्वविद्यालयों में शिक्षा किस तरह की है और उसकी गुणवत्ता कैसी है यह एक अलग विचारणीय प्रश्न है। इन प्रश्नों को लेकर सबके मन में संशय बना हुआ है। उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय मानकों को देखें तो स्थिति निराशाजनक है और चिंता का कारण है।

पिछले वर्षों में विश्वगुरु बनने की बात की जाती रही है और नालंदा, तक्षशिला, वल्लभी, ओदंतपुरी जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों और वहाँ के गुरुओं की प्रतिभा का स्मरण किया जाता है। शिक्षा का यह समृद्ध अतीत निश्चय ही गौरवशाली है और देश के लिए गर्व का कारण है। परंतु आज की स्थिति यही है कि एक भी विश्वविद्यालय देश में ऐसा नहीं है जिसे स्वीकृत मानदंडों पर विश्वस्तरीय (वर्ल्ड क्लास) का दर्जा दिया जा सके। इसलिए प्रतिभावान भारतीय छात्रों के मन में अभी भी विदेशी विश्वविद्यालयों में शिक्षा पाने का तीव्र आकर्षण है। इसी का लाभ उठाते हुए कई विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपना परिसर खोल रहे हैं और विद्यार्थी वहाँ दाख़िला भी ले रहे हैं। साथ ही सामर्थ्य रखने वाले साधन संपन्न अभिभावक अपने बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा दिलाने के लिए तत्पर रहते हैं।

समय कभी रुकता नहीं और अब कलकत्ता विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के 170वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है । साथ ही यहाँ के युवतम कुलपति रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती का भी यह वर्ष है। वे 33 वर्ष की आयु में ही कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त हुए थे और विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों के पठन-पाठन में अनेक सुधार किए। यही नहीं, उन्होंने बांग्ला भाषा को वहाँ शिक्षा का माध्यम बनाया, गुरुदेव टैगोर को बांग्ला भाषा साहित्य का विशिष्ट प्रोफ़ेसर नियुक्त किया। गुरुदेव ने डॉ. मुखर्जी के आग्रह पर वहाँ 1937 में बांग्ला में दीक्षांत भाषण दिया था। डॉ. मुखर्जी ने विश्वविद्यालय में अनेक नवाचार भी किए। वे समाज के हर स्तर पर शिक्षा का प्रसार चाहते थे ताकि युवा वर्ग में मूल्यों का विकास हो सके। वह सांस्कृतिक जीवन और व्यावसायिक शिक्षा के बीच समुचित संबंध के पक्षधर थे। वे यह भी मानते थे कि उदार और मुक्त परिवेश में राष्ट्रीय संस्कृति के अनुरूप शिक्षा दी जानी चाहिए।

भारत स्थित उच्च शिक्षा संस्थानों के जीवन विस्तार की दृष्टि से विचार करें तो कलकत्ता विश्वविद्यालय जितनी लंबी अवधि विशेष महत्व रखती है। वस्तुत: यह शिक्षा संस्थान आधुनिक भारत के जन्म और उसके नव-निर्माण का साक्षी है। देश के विस्तृत इतिहास के कई कालखण्डों की धड़कनों को अपने में समेटे हुए है। वर्तमान में यह राज्यस्तरीय विश्वविद्यालय है जिसमें अनेकानेक विषयों और पाठ्यक्रमों की पढ़ाई होती है। इस विश्वविद्यालय का अत्यंत गौरवशाली अतीत है। इसकी पहले सीनेट में पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर एक सम्मानित सदस्य थे। 'बंदे मातरम' के अमर गायक ख्यातिलब्ध रचनाकार साहित्य सम्राट बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय इस विश्वविद्यालय से अध्ययन कर निकलने वाले प्रथम स्नातक थे।

यह भारत का अकेला विश्वविद्यालय है, जहाँ से चार नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्वान जुड़े रहे, दो स्वतंत्रता मिलने के पहले और दो स्वतंत्रता मिलने के बाद। इस विश्वविद्यालय में गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर बाँग्ला भाषा और साहित्य के और सर सीवी रमन भौतिकी के प्राध्यापक थे। प्रोफ़ेसर अमर्त्य सेन और प्रोफ़ेसर अभिजीत बनर्जी यहाँ के आनर्स के छात्र थे। यहाँ अध्यापन करने वालों में रसायन शास्त्री प्रफुल्ल चंद्र रे, दार्शनिक ब्रजेन्द्रनाथ सील तथा सर्वपल्ली राधाकृष्णन, भौतिकीविद सत्येंद्रनाथ बोस तथा मेघनाद साहा, भौतिकीविद् एवं जीव वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बोस भी थे। महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाषचंद्र बोस, देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद यहीं से पढ़ कर निकलने वाली विभूतियां थीं। इन सबने असंदिग्ध रूप से ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में और देश सेवा के लिए अमूल्य योगदान किया, ख्याति अर्जित की और देश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया। विश्वविद्यालयों की एनआईआरएफ की वर्ष 2025 की ताजा रैंकिंग की सूची में कलकत्ता विश्वविद्यालय का नाम देश के विश्वविद्यालयों में 37 वें स्थान पर दिख रहा है। आज कलकत्ता विश्वविद्यालय में मानविकी, भौतिक विज्ञान, समाज विज्ञान, कला, जीव-विज्ञान, प्राच्य अध्ययन आदि अनेक विषयों की पढ़ाई हो रही है। भारतीय और अर्वाचीन दोनों तरह की ज्ञान-धाराओं का प्रवाह यहाँ सरलता से देखा जा सकता है।

नारी शक्ति-वादों से लेकर कर दिखाने तक- ब्रिक्स में भारत का योगदान

श्रीमतीअन्नपूर्णा देवी

भारत ने 1 जनवरी 2026 को लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माणकी थीम के तहत ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली। महिलाओं से जुड़े मामलों में हमारा योगदान बेहद खास रहा है। हम सिर्फ़ कोई नारा या तारीफ़ के लिए सफल कहानियों का संग्रह पेश नहीं कर रहे हैं। हम एक ऐसा कामकाजी ढांचा लेकर आए हैं, जो करोड़ों महिलाओं तक पहुँचा है। यह ढांचा सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां से शुरू होकर जहाँ भी जाता है, वहाँ आगे और विकसित होने के लिए तैयार रहता है।

यही भारत की खास बात है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से ज़्यादा समय सेभारत ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को एक राष्ट्रीय मिशन के तौर पर अपनाया हैऔर इस काम को इतने बड़े पैमाने पर किया है, जिसकी बराबरी बेहद कम देश कर सकते हैं। 2023 में अपनी ल्र20 अध्यक्षता के दौरान, भारत ने वैश्विक सोच को महिलाओं के विकास से बदलकर महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की ओर मोड़ने में मदद की। यह महज़ शब्दों का बदलाव नहीं था, बल्कि सोच का भी बदलाव था। महिलाओं को सिर्फ़ लाभार्थी के तौर पर देखने के बजाय, उन्हें नेतृत्वकारी भूमिका में देखना। कोचि में हम इसी बदलाव से जुड़ा सवाल उठा रहे हैं- एक बार वादा करने के बाद, उसे बड़े पैमाने पर, आख़िरी गाँव की आख़िरी महिला तक कैसे पहुँचाया जाए? भारत ने पिछले दस सालों में सिर्फ़ सैद्धांतिक तौर पर नहीं, बल्कि असल में इस सवाल का जवाब दिया है।

भारत के लिए यह सोच नई नहीं, बल्किबहुत पुरानी है। विकास की भाषा के आने से काफी पहले ही, हमारी संस्कृति ने नारी को शक्ति, ज्ञान और समृद्धि का स्रोत माना था। ये तीनों ही वे आधार हैं, जिन पर कोई भी समाज तरक्की करता हैऔर उन्हें देवी दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी के रूप में पूजा जाता रहा है। दैवीय शक्ति को ही शक्ति कहा जाता हैऔर संस्कृत के एक प्रसिद्ध श्लोक के अनुसार, जहाँ महिलाओं का सम्मान होता है, वहाँ देवता भी प्रसन्न होते हैं। यह सम्मान सिर्फ़ दिखावे के लिए नहीं था- लोपामुद्रा और घोषा जैसी महिला ऋषियों ने ऋग्वेद के मंत्रों की रचना कीऔर गार्गी और मैत्रेयी जैसी दार्शनिकों ने उपनिषदों केप्रसिद्ध वाद विवादों में अपनी बात मज़बूती से रखी। इसलिए, भारत के लिए महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास, किसी और से लिया हुआ विचार नहीं है, बल्कि एक प्राचीन विचार का ही आधुनिक रूप है। शुरुआत फ़ैसला लेने की प्रक्रिया से करते हैं। भारत की पंचायती राज संस्थाओं में चुने गए प्रतिनिधियों में से लगभग आधी महिलाएँ हैं, जो दुनिया में चुनी हुई महिला नेताओं के सबसे बड़े समूहों में से एक है। इसके अलावानारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 संसद और राय विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करता है। महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास का अंत सिर्फ़ प्रतिनिधित्व तक ही सीमित नहीं है,बल्कि यहां से इसकी शुरुआत होती है। ऐसा मॉडल, जो महिलाओं को सेवाएँ तो देता है, लेकिन उन सेवाओं को तय करने वाले फ़ैसलों में उन्हें शामिल नहीं करता, वह असल में महिलाओं के नेतृत्व वाला मॉडल नहीं है। भारत में सेवा पहुँचाने का ढाँचा तीन हिस्सों पर टिका है, जो एक साथ मिलकर ही काम करते हैं। पहला हिस्सा है पहुँच- डिजिटल जन अवसंरचना,फ़ायदों को सीधे महिलाओं के हाथों तक पहुँचाती है। आधार से जुड़े ट्रांसफ़र उन बिचौलियों की भूमिका को खत्म कर रहे हैं, जो पहले मदद पहुँचने से पहले ही उसे दूसरी तरफ़ मोड़ देते थे। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजनाइस पहुँच का व्यावहारिक उदाहरण है। 4.26 करोड़ से ज़्यादा माताओं को मातृत्व लाभ के तौर पर 20,060 करोड़ रुपये से ज़्यादा की राशि सीधे उनके आधार से जुड़े खातों के ज़रिए मिली है। दूसरा हिस्सा है संस्थाएँ- डीएवाई-एनआरएलएमके तहत, 10.05 करोड़ से ज़्यादा ग्रामीण महिलाओं को 90.90 लाख से ज़्यादा स्वयं-सहायता समूहोंमें संगठित किया गया है, जो दुनिया में महिलाओं के नेतृत्व वाली सामुदायिक संस्थाओं का सबसे बड़ा नेटवर्क है। तीसरा हिस्सा है गतिशीलता—यानी मूल्य श्रृंखला में हमेशा सबसे नीचे बने रहने के बजाय ऊपर की ओर बढ़ने का एक सोच-समझकर चुना गया रास्ता। भारत अब 65,949 एसएचजीमहिलाओं को बिज़नेस कॉरेस्पोंडेंट एजेंटयानी बीसीसखीके तौर पर तैनात कर रहा है, जो दूर-दराज़ के इलाकों में जमा, क्रेडिट, धनराशि भेजने और पेंशन सेवाएँ पहुँचाती हैं। जो महिला कभी किसी लाभ के लिए कतार में लगती थी, अब वही महिला उस लाभ को दूसरों तक पहुँचाती है। कुल मिलाकर ये सब मिलकर भागीदारी को आमदनी और मालिकाना हक में बदलते हैं। लखपति दीदीपहल के तहत, जून 2025 तक 1.48 करोड़ स्वयं सहायता समूह महिलाओं की सालाना कमाई कम से कम 1 लाख रुपए तक पहुँच गई थीऔर जनवरी 2026 में शुरू किए गए उद्यमिता पर केंद्रित एक राष्ट्रीय अभियान का मकसद 50,000सामुदायिक संसाधन व्यक्ति के ज़रिए 50 लाख अतिरिक्त महिलाओं को प्रशिक्षण देना है। तरक्की का यही रास्ता औपचारिक कारोबार में भी दिखता है- पीएमएमवाईके तहत दिए गए ऋण में से 69 प्रतिशत और स्टैंड-अप इंडिया के लाभार्थियों में से 84 प्रतिशत महिलाएँ हैं।डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त 2.12 लाख स्टार्टअप्स में से 1.02 लाख से ज़्यादा स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक या हिस्सेदार है और इनमें से कई स्टार्टअप बड़े शहरों के बजाय छोटे शहरों में हैं। हम ब्रिक्सको ये ब्रांड नाम नहीं, बल्कि उनके पीछे की कहानी पेश करते हैं- पहले पहुँच, फिर संस्थाएँऔर फिर लाभार्थी से उद्यमी बनने का एक व्यवस्थित मार्ग। आँकड़े भी इस बदलाव को दिखाते हैं। भारत में महिलाओं की कामकाजी आबादी में भागीदारी 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 41.7 प्रतिशत हो गई हैऔर इसी दौरान महिलाओं में बेरोज़गारी दर 5.6 प्रतिशत से घटकर 3.2 प्रतिशत हो गई है। अब पहले से कहीं ज़्यादा महिलाएँ कार्यबल का हिस्सा हैं, इसलिए हमारा फोकस अब अगले चरण पर है, उनके काम की गुणवत्ता और आमदनी को और बेहतर बनाना। इस साल महिलाओं से जुड़े कामों के लिए चार प्राथमिकता वाले क्षेत्र तय किए गए हैंऔर इनमें से एक सीधे हमारे अनुभव से जुड़ा है- जलवायु कार्यवाही, खाद्य सुरक्षा और पोषण में महिलाओं की भूमिका। इस बारे में साक्ष्य भी साफ नतीजे बयां करते हैं- जब फैसले लेने की प्रक्रिया में महिलाएं शामिल होती हैं, तो पोषण बेहतर मिलता है और समुदाय चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर पाते हैं। यह कोई काल्पनिक बात नहीं है। झारखंड में महिला किसानों को ऐसी बीजों की किस्मों की जानकारी है, जो सूखे के दौरान भी बची रहती हैं।राजस्थान में महिलापशुपालकों को उन रास्तों की भी जानकारी है, जिनसे सूखे के समय मवेशियों को सुरक्षित ले जाया जा सकता है। भारत का काम ऐसे संस्थान बनाना रहा है, जो इस जानकारी और अनुभव का इस्तेमाल करें, न कि इसे नज़रअंदाज़ करें। मिशन पोषण 2.0आंगनवाड़ी नेटवर्क के ज़रिए चलाया जाता है, जिसमें महिलाएं काम करती हैं और वे ही लोगों तक सेवा पहुंचाने की भरोसेमंद कड़ी होती हैं। जलवायु के अनुसार ढलने का काम भी इसी तरह होता है, चाहे वह लद्दाख में महिलाओं द्वारा बनाए गए ऊंचे इलाकों में पानी जमा करने के ढांचे हों या ओडिशा के तट पर वनस्पति के घने इलाकों को बचाने वाली समितियां। महिलाएं अब सिर्फ़ अनुकूलन की तकनीक का इस्तेमाल करने वाली नहीं रह गई हैं, बल्कि वे खुद इसे आगे बढ़ा भी रही हैं- नमो ड्रोन दीदीयोजना के तहत, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को खेती में इस्तेमाल होने वाले ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह ज़्यादा कौशल और ज़्यादा आमदनी वाले काम की ओर एक सोच-समझकर उठाया गया कदम है। एक खास बात जो पूरी तरह से भारत की वास्तविक विशेषता बन गई है। एक ज़िला एक उत्पाद पहल के तहत अब 761 ज़िलों में 1,102 उत्पाद शामिल हैं। महिला समूह हथकरघा, जीआई टैग वाले शिल्प और क्षेत्रीय खाद्य पदार्थों जैसे स्थानीय विशेष उत्पादों को ब्रांडेड और तेज़ी से निर्यात होने वाले उत्पादों में बदल रहे हैं। सरकार भी इन उत्पादों के लिए बाज़ार तक पहुँचने का रास्ता बना रही है- अवसर योजना के तहत हवाई अड्डों पर महिलाओं के लिए आरक्षित रिटेल जगह और वोकल फ़ॉर लोकल के तहत महिला-संचालित उद्यमों के लिए जेम पर एक खास स्थान। असल मायनों में यह टिकाऊ व्यवस्था है, जिसके तहत स्थानीय सामग्री, स्थानीय कौशल और स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला, जो समुदाय के भीतर ही अपना मूल्य बनाए रखती हैंऔर ये विकास का ऐसा रूप भी है, जिसके लिए किसी महिला को बाज़ार तक पहुँचने के लिए अपना ज़िला छोड़ने की ज़रूरत नहीं पड़ती।

(लेखिका भारत सरकार में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं)

इंटर-स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट ओरिएंटल कप 7 जुलाई से, पुरस्कार राशि और छात्रवृत्ति में बड़ा इज़ाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के सबसे तेजी से उभरते इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट ओरिएंटल कप के चौथे संस्करण का आधिकारिक ऐलान बुधवार को एयरोसिटी स्थित एक होटल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किया गया। प्रतियोगिता 7 से 16 जुलाई तक नई दिल्ली के डॉ. आंबेडकर स्टेडियम में आयोजित होगी, जिसमें दिल्ली-एनसीआर के 45 से अधिक स्कूलों की टीमें हिस्सा लेंगी। इस बार का ओरिएंटल कप अपने इतिहास का सबसे बड़ा और सबसे प्रतिस्पर्धी संस्करण होगा। आयोजकों ने कुल पुरस्कार राशि को पिछले संस्करणों की तुलना में दोगुने से अधिक बढ़ाया है। साथ ही पहली बार 2.5 लाख रुपये की छात्रवृत्ति योजना शुरू की गई है, जिसके तहत 10 प्रतिभाशाली छात्र-खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। टूर्नामेंट में 1,500 से अधिक छात्र-खिलाड़ियों के भाग लेने की उम्मीद है। प्रतियोगिता के दौरान 50 से अधिक मुकाबले खेले जाएंगे। लड़कों के अंडर-17 वर्ग में 25 से अधिक और लड़कियों के अंडर-19 वर्ग में 16 से अधिक टीमें भाग लेंगी, जिससे युवा खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध होगा।

डब्ल्यूबीबीएल 2026 का आगाज 29 अक्टूबर से, जंक्शन ओवल में पहले दिन होगा डबल-हेडर मुकाबला

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2026-27 का कार्यक्रम जारी कर दिया है। टूर्नामेंट का आगाज 29 अक्टूबर को मेलबर्न के जंक्शन ओवल में डबल-हेडर मुकाबलों के साथ होगा। इस 12वें सीजन में कुल 43 मैच 38 दिनों के भीतर खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में इस बार गुरुवार से रविवार के बीच अधिक मुकाबले रखे गए हैं, जिससे दर्शकों की भागीदारी बढ़ाने की कोशिश की गई है। जंक्शन ओवल में पहली बार फ्लडलाइट्स की रोशनी में टी-20 मैच खेला जाएगा। स्टेडियम में लाइट्स लगाने का कार्य पिछले वर्ष दिसंबर में शुरू हुआ था, जिसे अगस्त 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। पूरे टूर्नामेंट में 14 डबल-हेडर मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। वहीं, मेलबर्न डर्बी और सिडनी स्मैश जैसे बड़े मुकाबले 28 नवंबर को लीग चरण के अंतिम दौर में खेले जाएंगे। इसके अलावा हैलोवीन और मेलबर्न कप ईव पर भी विशेष मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

श्रीलंका दौरे पर 15 से 27 अगस्त के बीच दो टेस्ट मैच खेलेगा भारत

कोलंबो । भारत अगस्त 2026 में दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगा। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने इसकी घोषणा की है। यह सीरीज आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-2027 चक्र का हिस्सा होगी। दोनों देशों के बीच पहला टेस्ट मैच 15 से 19 अगस्त के बीच गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा और आखिरी टेस्ट मैच 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित होगा। दोनों मैच स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे शुरू होंगे। भारत और श्रीलंका के लिए यह दो मुकाबलों की सीरीज बेहद अहम है। दोनों टीमें डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में ऊपर चढ़ना चाहती हैं। मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र की प्वाइंट्स टेबल में, शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम 9 मुकाबलों के बाद 48.15 के प्वाइंट्स प्रतिशत (पीसीटी) के साथ पांचवें स्थान पर है। वहीं, श्रीलंका 44.44 के पीसीटी के साथ छठे पायदान पर है। इस दो मुकाबलों की सीरीज में जीत किसी भी टीम को शीर्ष-2 में जगह बनाने और फाइनल में पहुंचने की कोशिश में बहुत काफी मदद करेगी। भारत ने पिछली बार साल 2017 में श्रीलंकाई सरजमीं पर टेस्ट सीरीज खेली थी। विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने उस सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया था। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) की शुरुआत 17 जुलाई को होगी। इस टूर्नामेंट का समापन 8 अगस्त को होगा। इसके बाद भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत होगी। हालांकि, श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने अपने कार्यक्रम में भारत और श्रीलंका के बीच प्रस्तावित तीन मैचों की टी20 सीरीज का कोई उल्लेख नहीं किया।

एलए नाइट राइडर्स स्टेडियम का उद्घाटन, जय शाह ने क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी के लिए 'एक अहम पड़ाव' बताया

लॉस एंजिल्स । आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने लॉस एंजिल्स में एलए नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड के उद्घाटन को क्रिकेट के वैश्विक विस्तार में एक अहम कदम बताया है। शाह ने इसे ओलंपिक गेम्स में इस खेल की वापसी के लिए 'एक अहम पड़ाव' करार दिया है। नाइट राइडर्स ग्रुप की तरफ से बनाए गए इस अत्याधुनिक स्टेडियम में पहला मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) मैच खेला गया, जिसमें लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स का मुकाबला वाशिंगटन फ्रीडम से हुआ। इसके साथ ही यह फ्रेंचाइजी इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का क्रिकेट स्टेडियम बनाने वाला पहला ग्लोबल क्रिकेट ब्रांड बन गया है। बॉलीवुड सुपरस्टार और नाइट राइडर्स ग्रुप के को-ओनर शाहरुख खान को बधाई देते हुए, जय शाह ने कहा कि यह पहल उभरते हुए मार्केट में क्रिकेट के विस्तार में अहम भूमिका निभाएगी। शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'शाहरुख खान आपको बधाई। यह ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी की दिशा में एक अहम पड़ाव है, जो एलए नाइटराइडर्स, एलए28 और आईसीसी के सहयोग से संभव हुआ है। '

फीफा विश्व कप 2026: पुर्तगाल प्री-क्वार्टर फाइनल में, क्रोएशिया को 2-1 से हराया

एजेंसी

टोरंटो। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के ऐतिहासिक गोल और अतिरिक्त समय में गोंकालो रामोस के विजयी हेडर की बदौलत पुर्तगाल ने शुक्रवार को फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में क्रोएशिया को 2-1 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। मुकाबले के आखिरी क्षणों में क्रोएशिया ने बराबरी का गोल किया, लेकिन वीएआर जांच के बाद उसे ऑफसाइड करार देते हुए रद्द कर दिया गया।

मैच का पहला गोल क्रोएशिया ने 53वें मिनट में किया। अनुभवी विंगर इवान पेरिसिच ने पुर्तगाल के गोलकीपर डियोगो कोस्टा को छकाते हुए शानदार फिनिश कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके कुछ ही मिनट बाद रोनाल्डो ने गेंद को जाल में पहुंचाया, लेकिन ऑफसाइड के कारण गोल मान्य नहीं हुआ। पुर्तगाल को 69वें मिनट में पेनाल्टी मिली, जब रेनाटो वेइगा को निकोला व्लासिच ने बॉक्स के अंदर गिरा दिया। वीएआर समीक्षा के बाद रेफरी

ने पेनाल्टी का फैसला दिया। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बिना किसी गलती के स्पॉट किक को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। यह विश्व कप नॉकआउट चरण में रोनाल्डो का पहला गोल भी रहा। इसके बाद दोनों टीमों ने लगातार आक्रमण किए। क्रोएशिया के मातेओ कोवाचिच का शानदार शॉट गोलकीपर डियोगो कोस्टा ने पोस्ट की ओर धकेल दिया, जबकि मारियो पासालिच का हेडर मामूली अंतर से बाहर चला गया। निर्धारित समय समाप्त होने के बाद जब मुकाबला अतिरिक्त समय की ओर बढ़ रहा था, तभी चौथे मिनट में राफेल लियाओ के बेहतरीन पास पर गोंकालो रामोस ने हेडर लगाकर पुर्तगाल को 2-1 की बढ़त दिला दी। ड्रामा यहीं खत्म नहीं हुआ। मैच के अंतिम क्षणों में योश्को ग्वार्डियोल ने क्रोएशिया के लिए बराबरी का गोल कर दिया, लेकिन वीएआर जांच में उन्हें ऑफसाइड पाया गया और गोल रद्द कर दिया गया। इस फैसले से क्रोएशियाई खिलाड़ी और समर्थक निराश हो गए, जबकि पुर्तगाल ने जीत का जश्न मनाया।

फीफा विश्व कप 2026: क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की

एजेंसी

नई दिल्ली। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फीफा विश्व कप 2026 में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली। क्रोएशिया के खिलाफ राउंड ऑफ 32 मुकाबले में मैदान पर उतरते ही रोनाल्डो विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में शुरुआत करने वाले सबसे उम्रदराज़ आउटफील्ड खिलाड़ी बन गए। 41 वर्ष, 4 महीने और 27 दिन की उम्र में रोनाल्डो ने बोस्निया एवं हर्जेगोविना के एडिन जेको का रिकॉर्ड तोड़ा। जेको ने अमेरिका के खिलाफ अंतिम-32 मुकाबले में 40 वर्ष, 106 दिन की उम्र में खेला था। रोनाल्डो विश्व फुटबॉल इतिहास के उन तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने छह फीफा विश्व कप खेले हैं।

अपने शानदार करियर में वह पुर्तगाल को एक यूरोपीय चैम्पियनशिप और दो यूईएफए नेशंस लीग खिताब भी जिता चुके हैं।41 वर्षीय रोनाल्डो लगातार रिकॉर्ड अपने नाम करते हुए विश्व फुटबॉल में अपनी अमिट छाप छोड़ रहे हैं। अब उनकी नजर पुर्तगाल को विश्व कप 2026 में आगे बढ़ाने और अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीतने पर होगी।

फीफा विश्व कप: स्विट्ज़रलैंड ने अल्जीरिया को 2-0 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

वैंकूवर। ब्रील एम्बोलो और डैन न्डोये के गोलों की बदौलत स्विट्ज़रलैंड ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में अल्जीरिया को 2-0 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। अब स्विट्ज़रलैंड का सामना मंगलवार को इसी मैदान पर कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा।

स्विट्ज़रलैंड ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और 10वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। 20 वर्षीय युवा खिलाड़ी जोहान मंजांबी ने बाएं फ्लैंक से शानदार दौड़ लगाते हुए लो क्रॉस दिया, जिस पर ब्रील एम्बोलो ने आसान फिनिश कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। मंजांबी का यह टूर्नामेंट में दूसरा असिस्ट रहा। युवा खिलाड़ी अब तक चार विश्व कप मैचों में तीन गोल और दो असिस्ट दर्ज कर चुके हैं। दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही स्विट्ज़रलैंड ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। 46वें मिनट में बॉक्स के बाहर मिली गेंद

पर डैन न्डोये ने शानदार नियंत्रण दिखाते हुए अल्जीरिया के गोलकीपर लुका जिदान को छकाकर गेंद जाल में पहुंचा दी। इसके बाद स्विस टीम ने मजबूत रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए अल्जीरिया को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और 2-0 की आसान जीत दर्ज की। ग्रुप चरण में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर रहने वाली स्विट्ज़रलैंड की टीम पूरे टूर्नामेंट में अब तक अजेय बनी हुई है। हालांकि स्विट्ज़रलैंड 2006, 2014, 2018 और 2022 विश्व कप में अंतिम-16 से आगे नहीं बढ़ सका था। तीन बार विश्व कप क्वार्टर फाइनल खेलने वाली स्विस टीम अब 1954 के बाद पहली बार अंतिम आठ में जगह बनाने की कोशिश करेगी।

नेपाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप में बांदा की बेटी शार्वी का जलवा, दो स्वर्ण पदक जीतकर बढ़ाया देश का मान

एजेंसी

बांदा। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा की प्रतिभाशाली बेटी शार्वी पांडे ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले समेत पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। तहसील नरैनी क्षेत्र की ग्राम पंचायत तरखरी निवासी विकास कुमार पांडे की पुत्री शार्वी ने नेपाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं।

नेपाल में 28 व 29 जून को आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और दुबई के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। 10 से 12 वर्ष आयु वर्ग की बालिका रोलर स्केटिंग स्पर्धा में शार्वी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 500 मीटर और 1000 मीटर दोनों रेस में प्रथम स्थान हासिल किया। बेहतरीन गति, संतुलन और आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने दोनों मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का परचम लहराया।शार्वी की जीत के साथ

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय तिरंगा शान से लहराया गया। उनकी इस उपलब्धि को कड़ी मेहनत, अनुशासन और परिवार के निरंतर सहयोग का परिणाम माना जा रहा है। बुंदेलखंड की इस होनहार बेटी की सफलता से पूरे बांदा जिले में उत्साह का माहौल है। परिवार, प्रशिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों ने शार्वी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। लोगों का विश्वास है कि शार्वी भविष्य में विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं में भी भारत का नाम रोशन करेंगी। यह जानकारी शार्वी पांडे के पिता विकास कुमार पांडे ने गुरुवार को दी।

महिला टी20 विश्व कप: इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 40 रन से हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

लंदन। कप्तान नैट साइवर-ब्रंट और पूर्व कप्तान हीदर नाइट की शानदार अर्धशतकीय पारियों के दम पर मेजबान इंग्लैंड ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 40 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड की भिड़ंत ऑस्ट्रेलिया से 6 जुलाई को लॉर्ड्स में होगी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम महज 23 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद चोट से वापसी कर रही नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट ने चौथे विकेट के लिए 133 रन की रिकॉर्ड साझेदारी कर टीम को संकट से बाहर निकाला। साइवर-ब्रंट ने केवल 47 गेंदों में 75 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं हीदर नाइट ने 47 गेंदों में 58 रन बनाकर उनका शानदार साथ निभाया। दोनों की बदौलत इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 169 रन बनाए।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से शुरुआत में शबनिम इस्माइल और मारिजाने कैप ने बेहतरीन गेंदबाजी की। इस्माइल ने 2 विकेट, जबकि कैप ने अपने चार ओवर में केवल 16 रन देकर एक विकेट हासिल किया। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट सिर्फ 13 रन बनाकर आउट हो गईं। सलामी बल्लेबाज ताज़मिन ब्रिट्स ने संघर्ष करते हुए 51 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। इंग्लैंड की ओर से गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। लॉरेन बेल और चार्ली डीन ने दो-दो विकेट झटके, जबकि बाकी गेंदबाजों ने भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 8 विकेट पर 129 रन तक ही सीमित रखा। मैच के दौरान इंग्लैंड की फील्डिंग भी शानदार रही। सोफी एक्लेस्टोन ने कठिन कैच लपककर दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदों को झटका दिया, जबकि डैनी वायट-हॉज की सटीक थ्रो से सिनालो जाफ्टा रन आउट हुईं। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी नॉकआउट मुकाबलों में मिली निराशाओं का बदला भी चुकता किया। 2023 महिला टी20 विश्व कप और 2024 महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका से मिली हार का हिसाब बराबर करते हुए इंग्लैंड अब घरेलू सरजमीं पर विश्व चैंपियन बनने से सिर्फ एक जीत दूर है।

डीपीएल महिला नीलामी में पारुनिका सिसोदिया बनीं सबसे महंगी खिलाड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) टी-20 के तीसरे सीजन के लिए बुधवार को महिला खिलाड़ियों की नीलामी में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। पिछले दो सफल संस्करणों के बाद महिला प्रतियोगिता अब देश के सबसे रोमांचक घरेलू क्रिकेट मंचों में अपनी मजबूत पहचान बना चुकी है। नीलामी में चारों फ्रेंचाइजियों ने दिल्ली की शीर्ष महिला क्रिकेटरों और उभरती प्रतिभाओं को अपनी टीम में शामिल करने के लिए खुलकर बोली लगाई। डीपीएल 2026 महिला नीलामी में कई खिलाड़ियों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड का भी रणनीतिक उपयोग किया गया, जबकि कई बड़े नामों पर भारी रकम खर्च की गई। अंतरराष्ट्रीय अनुभव, घरेलू क्रिकेट और युवा प्रतिभाओं के बेहतरीन मिश्रण के साथ सभी चार फ्रेंचाइजियों ने संतुलित और मजबूत टीम तैयार की।मार्की खिलाड़ियों की सूची में शामिल क्रिकेटरों पर सभी टीमों ने दिलचस्पी दिखाई। ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने पारुनिका सिसोदिया और सिमरन दिल बहादुर को टीम में शामिल किया। सेंट्रल दिल्ली क्वींस ने सोनी यादव का साथ देने के लिए अरुषि गोयल को खरीदा। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने अपनी गेंदबाजी मजबूत करने के लिए प्रिया मिश्रा को शामिल किया, जबकि आयुषी सोनी पहले से टीम में बरकरार थीं। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ ने भारतीय बल्लेबाज प्रिया पुनिया को खरीदा, जो पहले से बरकरार भारत अंडर-19 स्टार श्वेता सहरावत के साथ टीम की ताकत बढ़ाएंगी। बाएं हाथ की स्पिनर पारुनिका सिसोदिया नीलामी की सबसे महंगी खिलाड़ी रहीं। उन्हें ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने 14 लाख रुपये में खरीदा।

मेसी के बचे हुए मैच मत गिनिए, हर पल का आनंद लीजिए: रोड्रिगो डी पॉल

एजेंसी

मियामी। अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल ने फुटबॉल प्रशंसकों से अपील की है कि वे लियोनेल मेसी के विदाई की चर्चा करने के बजाय उनके हर मैच और हर पल का आनंद लें। विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में केप वर्डे के खिलाफ मुकाबले से पहले डी पॉल ने कहा कि मेसी जैसा खिलाड़ी बार-बार नहीं मिलता।

39 वर्षीय लियोनेल मेसी अपने छठे विश्व कप में खेल रहे हैं और माना जा रहा है कि यह अर्जेंटीना की जर्सी में उनका अंतिम विश्व कप हो सकता है। हालांकि डी पॉल ने कहा कि टीम अभी से मेसी के बाद के दौर के बारे में नहीं सोच रही है। डी पॉल ने प्री मैच कॉन्फ्रेंस में कहा, मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम हर दिन लियो मेसी का आनंद लें, ठीक वैसे ही जैसे अर्जेंटीना का हर नागरिक करता है। अक्सर हम किसी चीज़ की अहमियत उसके चले जाने के बाद समझते हैं, लेकिन अभी हमारे पास मेसी हैं और हमें इस पल को जीना चाहिए। मेसी इस विश्व कप में अब तक तीन मैचों में छह गोल कर चुके हैं। उन्होंने अल्जीरिया के खिलाफ पहले मैच में हैट्रिक भी लगाई थी और गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे हैं। प्रशंसकों के बीच मेसी के बॉडीगार्ड के नाम से मशहूर डी पॉल ने अपने कप्तान के साथ रिश्ते को जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया। उन्होंने कहा, लियोनेल मेसी का अच्छा दोस्त होना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। दोस्ती जीवन की सबसे महत्वपूर्ण चीज़ों में से एक है। मैदान के अंदर और बाहर उनके साथ समय बिताना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं। डी पॉल पिछले वर्ष इंटर मियामी में मेसी के साथ जुड़ गए थे, जहां वह एटलीको मैड्रिड से स्थानांतरित होकर पहुंचे थे। डी पॉल ने स्वीकार किया कि नॉकआउट चरण में उन्हें स्पेन या उरुग्वे जैसी मजबूत टीमों का सामना करने की उम्मीद थी, लेकिन केप वर्डे ने शानदार प्रदर्शन कर सभी को चौंका दिया। उन्होंने कहा, हम ऐसी टीम से खेल रहे हैं जिसने ग्रुप चरण में शानदार फुटबॉल खेली है। हमें इस मुकाबले को पूरी गंभीरता से लेना होगा क्योंकि यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण मैच है। करीब आठ वर्षों से अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कॉलोनी के भरोसेमंद खिलाड़ी रहे डी पॉल का मानना है कि नॉकआउट मुकाबलों का अनुभव टीम के काम आएगा, लेकिन हर मैच अलग होता है। उन्होंने कहा, नॉकआउट मुकाबलों का अनुभव हमारे पास है, लेकिन हर मैच नई चुनौती लेकर आता है। ऐसे मुकाबलों में भावनाएं हमेशा प्रबल होती हैं। अनुभव आपको उन्हें संभालना सिखाता है, लेकिन उनका सम्मान करना भी जरूरी है। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना मियामी में केप वर्डे के खिलाफ जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के इरादे से मैदान पर उतरेगा।

भारत में साइक्लिंग को नई रफ्तार देने की तैयारी, रक्षा खड़से ने तय किया रोडमैप

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खड़से ने साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएफआई) के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर भारत में साइक्लिंग के खेल को जमीनी स्तर से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में प्रतिभा की पहचान, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, कोचिंग और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए व्यापक रोडमैप तैयार करने पर जोर दिया गया। बैठक में पुणे ग्रैंड टूर के आगामी आयोजन की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने कहा कि इस तरह की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं भारतीय खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ भारत की वैश्विक खेल आयोजक के रूप में पहचान भी मजबूत करती हैं।

साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव मनिंदर पाल सिंह ने बताया कि यूनियन साइक्लिस्ट इंटरनेशनल (यूसीआई) की वार्षिक रिपोर्ट-2026 में वैश्विक साइक्लिंग के विकास में भारत के बढ़ते योगदान को विशेष रूप से सराहा गया है। रिपोर्ट में पुणे ग्रैंड टूर-2025 और भारतीय साइक्लिंग के विकास की भी प्रशंसा की गई है। बैठक में भारतीय साइक्लिंग की एक बड़ी उपलब्धि का भी उल्लेख किया गया। हर्षिता जाखड़ के बाद अब भारत के पांच शीर्ष स्प्रिंटर–रोनाल्डो सिंह, एसो अल्बान, रोजित सिंह, डेविड बेकहम एलकटोचूंगो और जेम्स सिंह–सहित चार सहयोगी स्टाफ सदस्यों का चयन स्विट्ज़रलैंड स्थित यूसीआई वर्ल्ड साइक्लिंग सेंटर के प्रतिष्ठित प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए हुआ है। मंत्री ने इसे भारतीय साइक्लिंग के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों और कोचों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण एवं खेल विज्ञान का लाभ मिलेगा।बैठक में खेलो इंडिया अस्मिता साइक्लिंग सिटी लीग की प्रगति की भी समीक्षा की गई। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई यह पहल देश के सबसे बड़े महिला-केंद्रित ग्रासरूट साइक्लिंग कार्यक्रमों में शामिल हो चुकी है। मंत्री ने कहा कि इससे महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का बेहतर मंच मिला है और भविष्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान आसान हुई है।

श्रीलंका को लगा बड़ा झटका, चार खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर

एजेंसी

एंटीगुआ : चोट और बीमारी के कारण श्रीलंका के लाहिरू कुमारा, विश्वा फर्नांडो, रमेश मेंडिस और पथुम निसंका वेस्टइंडीज के साथ होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गये है। श्रीलंका क्रिकेट ने इस बात की पुष्टि

की है कि उनके चार खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। उन्होंने बताया कि चोट और बीमारी के कारण लाहिरू कुमारा, विश्वा फर्नांडो, रमेश मेंडिस और पथुम निसंका एंटीगुआ में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज में श्रीलंका अभी 1-0 से पीछे चल रहा है। निसंका पहले टेस्ट मैच में खेले थे, जिसमें वेस्टइंडीज ने एक पारी और 217 रनों से जीत हासिल की थी। निशान मदुष्का के साथ ओपनिंग करते हुए, उन्होंने 2 और 3 रन बनाए थे। , पहले टेस्ट मैच के बाद निसंका 'लगातार कलाई में दर्द' की शिकायत हुई और उन्हें सर्जरी कराने की सलाह दी गई। इसके बाद सर्जरी के लिए वह मैच खत्म होने के दो दिन बाद ब्रिटेन रवाना हो गए।

ज़ाग्रेब ग्रैंड शतरंज टूर : गुकेश ने अनीश गिरी को हराया, संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंचे

एजेंसी

ज़ाग्रेब। विश्व शतरंज चैंपियन डी. गुकेश ने ज़ाग्रेब ग्रैंड शतरंज टूर के दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी को हराकर अंक तालिका में संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वहीं, फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलीरेज़ा फिरोज़जा लगातार शानदार खेल दिखाते हुए शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं।

फिरोज़जा ने 12 में से 10 अंक हासिल कर तीन अंकों की बढ़त बना ली है। उनके बाद विन्सेंट कीमर (जर्मनी), मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (फ्रांस), बोगदान-डेनियल डियाक (रोमानिया) और डी. गुकेश सात-सात अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। भारत के आर. प्रज्ञानानंद, अनीश गिरी और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव साढ़े छह अंकों के साथ इनके पीछे हैं। वहीं, क्रोएशिया के इवान सारिच और नीदरलैंड के जॉर्डन वान फोरेस्ट दो-दो अंकों के साथ सबसे निचले स्थान पर हैं।

गिरी के खिलाफ गुकेश का शानदार प्रदर्शन

सफेद मोहरों से खेलते हुए गुकेश ने रुई लोपेज़ एक्सचेंज वैरिएशन में अनीश गिरी को शुरुआत से दबाव में रखा। गिरी अपनी तैयारी से जल्दी बाहर हो गए,

जिसके बाद गुकेश ने उनके राजा पर लगातार हमला बोला। भारतीय खिलाड़ी ने एक्सचेंज जीतने के बाद कोई गलती नहीं की और शानदार अंदाज में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

प्रज्ञानानंद की किस्मत ने नहीं दिया साथ

दूसरे भारतीय खिलाड़ी आर. प्रज्ञानानंद का दिन मिला-जुला रहा। उन्होंने शुरुआत में जॉर्डन वान फोरेस्ट को हराया, लेकिन इसके बाद नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और अलीरेज़ा फिरोज़जा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। फिरोज़जा के खिलाफ मुकाबले में प्रज्ञानानंद ड्रॉ की स्थिति तक पहुंच गए थे, लेकिन एंडगेम में एक बड़ी गलती कर बैठे, जिसका फायदा उठाकर फिरोज़जा ने जीत दर्ज कर ली।

पहले हार, फिर शानदार वापसी

गुकेश ने दिन की शुरुआत रोमानिया के बोगदान-डेनियल डियाक के खिलाफ अप्रत्याशित हार से की थी, लेकिन इसके बाद उन्होंने जॉर्डन वान फोरेस्ट और अनीश गिरी को हराकर शानदार वापसी की।

रैपिड वर्ग के अब तीन दौर शेष हैं। हालांकि फिरोज़जा फिलहाल खिताब की दौड़ में सबसे आगे हैं, लेकिन इसके बाद खेले जाने वाले 18 ब्लिट्ज मुकाबले टूर्नामेंट के अंतिम विजेता का फैसला करेंगे।

केंद्र ने कोयला क्षेत्र में व्यापार में आसानी को बढ़ाने के लिए बीमा शुरिटी बॉन्ड के उपयोग को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोयला क्षेत्र में व्यापार को आसान बनाने के लिए आवंटित कोयला ब्लॉकों के लिए निष्पादन बैंक गारंटी (पीबीजी) के स्थान पर बीमा शुरिटी बांड (आईएसबी) के उपयोग की अनुमति दे दी है। कोयला मंत्रालय ने एमएमडीआर कोयला ब्लॉकों के लिए बीमा शुरिटी बांड की स्वीकृति को अधिसूचित किया है। कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि कोयला ब्लॉक आवंटियों को अधिक वित्तीय लचीलापन प्रदान करने और कोयला क्षेत्र में व्यापार करने की सुगमता को और मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण सुधार किया है। मंत्रालय ने कोयला ब्लॉक आवंटन (संशोधन) नियम, 2026 के जरिये मंत्रालय ने खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत आवंटित कोयला ब्लॉकों के लिए निष्पादन बैंक गारंटी (पीबीजी) के स्थान पर बीमा शुरिटी बांड (आईएसबी) के उपयोग की अनुमति प्रदान की है। कोयला ब्लॉक आवंटन (संशोधन) नियम, 2026 को 22 जून, 2026 की अधिसूचना जीएसआर 508(ई) के माध्यम से भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया है और इसे वेब लिंक https://egazette.gov.in/(S(lymua&yzcvswntquyuzyzhzb))/ViewPDF.asp& पर देखा जा सकता है।

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाए 3.81 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। आईटी सेक्टर के शेयरों में आई जोरदार तेजी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई नरमी से उत्साहित घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले तक उतार-चढ़ाव होता रहा, लेकिन दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लगातार लिवाली का जोर बनाए रखा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.75 प्रतिशत और निफ्टी 0.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, ऑटोमोबाइल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, कैपिटल गुड्स, पावर और टेलीकॉम सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज लिवाली होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.25 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आयुष क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग ने आयुष मंत्रालय और आयुष निर्यात संवर्धन परिषद के सहयोग से बुधवार को नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में आयुष क्षेत्र पर एक सरकारी-उद्योग पर विचार-विमर्श सत्र आयोजित किया। इसमें आयुष क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की रणनीतियों पर हितधारकों ने चर्चा की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस सत्र में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, निर्यातकों, निर्माताओं, लघु एवं मध्यम उद्यमों, स्टार्टअप्स, शोधकर्ताओं, उद्योग संघों के प्रतिनिधियों, राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरणों और अन्य हितधारकों सहित 150 से अधिक प्रतिभागियों ने आयुष क्षेत्र में भारत के वैश्विक नेतृत्व को सुदृढ़ बनाने के लिए एक रोडमैप पर विचार-विमर्श किया। इस सत्र का विषय था पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाओं में भारत के वैश्विक नेतृत्व को सुदृढ़ बनानाः आयुष क्षेत्र में नवाचार, गुणवत्ता, निर्यात और अंतरराष्ट्रीय सहयोग। मंत्रालय के मुताबिक भारत के मुक्त व्यापार समझौतों से उत्पन्न अवसरों, आयुष की वैश्विक ब्रांडिंग, निर्यात सुगमता उपायों, गुणवत्ता मानकों और डब्ल्यूएचओ-जीएमपी अनुपालन, आयुष गुणवत्ता चिह्न, वैज्ञानिक प्रमाणीकरण, नवाचार, चिकित्सा मूल्य यात्रा, स्वास्थ्य सेवाओं और नियामक एवं बाजार पहुंच संबंधी चुनौतियों से निपटने की रणनीतियों पर इस विचार-विमर्श सत्र में व्यापक चर्चा हुई।

केंद्र ने कर्मचारी भविष्य निधि योजना-2026 अधिसूचित की, 29 जून से हुई प्रभावी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना 2026 को अधिसूचित कर दिया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) संचालित यह योजना 29 जून से प्रभावी हो गई है। नई योजना 1952 की कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम का स्थान लेगी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 2026, कर्मचारी पेंशन योजना, 2026 और कर्मचारी जमा-संबद्ध बीमा योजना, 2026 को अधिसूचित किया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन संचालित नई सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में डिजिटल अनुपालन और भविष्य निधि (पीएफ) निकासी तथा पेंशन निर्धारण जैसे दावों के समयबद्ध निपटान पर विशेष जोर रहेगा। इस योजना का उद्देश्य डिजिटल अनुपालन को मजबूत करना, प्रशासनिक दक्षता में सुधार करना, खातों के स्थानांतरण को आसान बढ़ाना और भविष्य निधि ढांचे को नए श्रम कानून के अनुरूप बनाना है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी फिलहाल संभव नहीं: हरदीप पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीजल की कीमतों में राहत की उम्मीद कर रहे उपभोक्ताओं को अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने स्पष्ट कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में खुदरा ईंधन की कीमतें घटाने का कोई औचित्य नहीं है। ईंधन की कीमतों पर प्रतिक्रिया देते हुए पुरी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें काफी हद तक स्थिर बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में पेट्रोल की कीमतों में केवल 5.58 प्रतिशत और डीजल की कीमतों में 6.23 प्रतिशत की ही बढ़ोतरी हुई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकारी तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) अभी भी करीब 2.18 लाख करोड़ रुपए के संचयी अंडर-रिकवरी (घाटे) की भरपाई कर रही हैं। इसके अलावा, इन कंपनियों के पास अभी भी ऐसे ईंधन का स्टॉक मौजूद है, जिसे तब खरीदा गया था जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें काफी अधिक थीं। ऐसे में फिलहाल पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कटौती करना व्यावहारिक नहीं है।

पुरी ने कहा, 'इसलिए इस समय ईंधन की कीमतों को कम करने का सवाल जायज नहीं है।'

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में आए उतार-चढ़ाव का प्रभाव भारतीय उपभोक्ताओं पर काफी हद तक नहीं पड़ने दिया। उन्होंने हाल ही में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास उत्पन्न तनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौरान भी देश में कहीं भी ईंधन आपूर्ति बाधित नहीं हुई।

उन्होंने कहा, 'देश के किसी भी पेट्रोल पंप पर ईंधन खत्म होने (ड्राई-आउट) की स्थिति नहीं आई।'

मंत्री के अनुसार, देश भर में मौजूद करीब 1.07 लाख पेट्रोल पंप पूरे संकट के दौरान सामान्य रूप से संचालित होते रहे। उन्होंने कहा कि सरकार ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से पैदा हुए अधिकांश झटकों को खुद वहन किया, जिससे आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ा।

पुरी ने कहा कि सरकार देश के ऊर्जा ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि 2030 तक भारत की रिफाइनिंग क्षमता बढ़कर 309.5 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) होने का लक्ष्य है।

उन्होंने बताया कि इस दिशा में कई रिफाइनरी विस्तार परियोजनाएं और नई ग्रीनफील्ड रिफाइनरियां विकसित की जा रही हैं, जिनमें से कुछ परियोजनाएं अगले दो वर्षों में पूरी होने की उम्मीद है, जिससे देश की ऊर्जा सुरक्षा और रिफाइनिंग क्षमता दोनों मजबूत होंगी।

पीएमजीकेएवाई योजना के तहत अब 80 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को मिलेगा बेहतर गुणवत्ता वाला चावल

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत अब 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को ज्यादा बेहतर गुणवत्ता वाले चावल का वितरण किया जाएगा। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत आपूर्ति किए जाने वाले चावल की गुणवत्ता में सुधार को मंजूरी दी है। पीएमजीकेएवाई के तहत सप्लाई किए जाने वाले कच्चे चावल में 10 फीसदी तक टूटे हुए दाने होंगे, जो पहले के 25 फीसदी तक के नियम की जगह लेंगे। वहीं, पार्बोइल्ड चावल में 5 फीसदी तक टूटे हुए दाने होंगे, जो पहले के 16 फीसदी तक के नियम की जगह लेंगे। इस सुधार से खाद्य गुणवत्ता बढ़ेगी, परिचालन दक्षता में सुधार होगा, पारदर्शिता मजबूत होगी और सालाना लगभग 2,161 करोड़ रुपये की बचत होगी। मंत्रालय ने कहा कि बेहतर गुणवत्ता वाले चावल की खरीद तत्काल प्रभाव से शुरू होगी और खरीफ विपणन सत्र (केएमएस) 2027-28 तक सभी खरीद करने वाले राज्यों में चरणबद्ध तरीके से लागू कर दी जाएगी। इस प्रस्ताव का पहले ही हरियाणा, आंध्र प्रदेश, पंजाब, ओडिशा, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ जैसे कई राज्यों में पायलट आधार पर सफल परीक्षण किया जा चुका है।

राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना -2,661 करोड़ रूपये का निवेश हुआ, 2700 से अधिक रोजगार सृजित

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर शुरू की गई राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स) -2024 प्रदेश के लिए लाभदायक सिद्द हो रही है। निवेश प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से निरंतर नए उद्योग लग रहे हैं और राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के अनुदान दिए जा रहे हैं।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति (एसएलएससी) की बैठक में कुल 25 से अधिक उद्यमों को विभिन्न परिलाभ स्वीकृत किए गए हैं। इन उद्यमों द्वारा 2,661 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिसके माध्यम से 2,700 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं।

उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त नीलाभ सक्सेना ने बताया कि एसएलएससी की बैठक में एसेट क्रिएशन इन्सेन्टिव, थ्रस्ट बूस्टर, ब्याज अनुदान, विद्युत शुल्क में छूट, ग्रीन इन्सेन्टिव जैसे विविध परिलाभ स्वीकृत किए गए हैं। अब इन्हें चरणबद्ध रूप से यह परिलाभ दिए जाएंगे। इस स्वीकृति समित में 25 करोड़ रुपये से अधिक निवेश राशि वाले उद्यमों को मैन्युफैक्चरिंग, सर्विसेज सहित ग्रीन इन्वेस्टमेंट, एक्सपोर्ट प्रमोशन, ट्रेनिंग तथा स्किलिंग के लिए परिलाभ दिया दिए जाते हैं।

सक्सेना ने बताया कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत राज्य में उद्योग और व्यापार स्थापना को और अधिक आसान कर दिया गया है। आवेदन से लेकर स्वीकृति तक की प्रक्रियों को डिजिटल कर दिया गया है। साथ ही, जिला और राज्य स्तर की स्वीकृति समितियों की बैठकों का नियमित आयोजन किया जा रहा है।

भारत का सबसे बड़ा बैटरी एनर्जी स्टोरेज पार्क, RERC ने दी मंजूरी

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग (RERC) ने ऊर्जा भंडारण प्रणाली (ESS) के साथ फर्म एवं डिस्पैचेबल नवीकरणीय ऊर्जा (FDRI) की खरीद के लिए विद्युत मंत्रालय के टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (TBCB) दिशा-निर्देशों से संबंधित प्रमुख विचलनों को मंजूरी प्रदान कर दी है। इस मंजूरी के साथ राजस्थान सोलरपार्क डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (RSDCL) अब बीकानेर स्थित पुगल सोलर पार्क में 2,450 मेगावाट सोलर पीवी परियोजना तथा 1,600 मेगावाट/6,400 मेगावाट-घंटा बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) के विकास हेतु प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया आगे बढ़ा सकेगी।यात्रा की गाइड और यात्रा की जानकारी यह परियोजना राजस्थान की बढ़ती बिजली मांग, विशेष रूप से शाम के पीक आवर्स के दौरान, बैटरी ऊर्जा भंडारण से समर्थित फर्म एवं डिस्पैचेबल नवीकरणीय बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार की गई है। सफल बोलीदाता सोलर पार्क के भीतर परियोजनाओं का

विकास करेंगे तथा दीर्घकालिक विद्युत खरीद समझौते के तहत राजस्थान के डिस्कॉम्स को बिजली की आपूर्ति करेंगे। अधिसूचित पीक आवर्स के दौरान बिजली आपूर्ति में कमी होने पर दंड को पीपीए टैरिफ के 1.5 गुना से बढ़ाकर 2 गुना कर दिया गया है। साथ ही, यदि पीक आवर्स की आपूर्ति में कमी रहती है, तो उसी के अनुरूप गैर-पीक अवधि में आपूर्ति की गई सौर ऊर्जा का भुगतान केवल पीपीए टैरिफ के 50 प्रतिशत की दर से किया जाएगा।भौगोलिक संदर्भ पीपीए की अवधि समाप्त होने के बाद डेवलपर को परियोजना की सभी परिसंपत्तियों को हटाकर सोलर पार्क में आवंटित भूमि खाली करनी होगी। हालांकि, यदि दोनों पक्ष आपसी सहमति से परियोजना जारी रखना चाहें और आयोग इसकी अनुमति दे, तो परियोजना का संचालन जारी रखा जा सकेगा। परियोजना से समय से पहले बिजली आपूर्ति तभी शुरू की जा सकेगी, जब संबंधित सोलर क्षमता के साथ समानुपाती बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) भी चालू हो। ऐसी स्थिति में पीपीए के दायरे से बाहर खरीदी गई बिजली का भुगतान भी लागू पीपीए टैरिफ के अनुसार किया जाएगा।

जापानी उद्योग जगत ने पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना, भारत को बताया निवेश और नवाचार का मजबूत केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत निवेश के लिए एक अधिक खुला, स्थिर और वैश्विक रूप से आकर्षक देश बन गया है। भारत-जापान जॉइंट इकोनॉमिक फोरम के दौरान कई जापानी उद्योग नेताओं ने भारत की आर्थिक वृद्धि, नवाचार की व्यवस्था और जापान के साथ बढ़ती रणनीतिक साझेदारी पर मजबूत भरोसा जताया। चोशु इंडस्ट्री के अध्यक्ष और प्रतिनिधि निदेशक सुसुमु ओकामोटो ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत पहले से ज्यादा खुला और स्थिर हुआ है। उन्होंने कहा, 'जापानी कंपनियां अपने दशकों के मैन्युफैक्चरिंग अनुभव और उन्नत तकनीक के साथ भारत की तेज औद्योगिक वृद्धि को और मजबूत कर सकती हैं। इससे दोनों देशों को फायदा होगा।' याकुमो के फाउंडर और सीईओ काजुहिरो नाकाशोजी ने कहा कि 2018 के बाद से भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम बहुत तेजी से और शानदार तरीके से बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की नीतियों ने नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दिया है, जिससे स्टार्टअप्स के लिए एक बड़ा और मजबूत माहौल बना है। तनिता इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर कोसुके किरयू ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को 'शानदार' बताया और कहा कि उनके प्रयासों से भारत और जापान के रिश्ते काफी मजबूत हुए हैं। सनटोरी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ और प्रेसिडेंट ताका सन्नो ने कहा कि भारत का कारोबारी माहौल लगातार बेहतर हो रहा है और इसी वजह से यह निवेश के लिए बहुत आकर्षक देश बन गया है। ताकासागो फ्लूइडिक सिस्टम्स के सीईओ और सीओओ हारुयुकी हिरातानी ने कहा कि भारत और जापान की ताकतें एक-दूसरे की पूरक हैं। जापान मैकेनिकल इंजीनियरिंग में मजबूत है, जबकि भारत सॉफ्टवेयर और डेटा के क्षेत्र में आगे है। मनस्तु स्पेस के को-फाउंडर और सीईओ तुषार जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और जापान के नेतृत्व के बीच मजबूत रिश्तों ने दोनों देशों के बीच सहयोग को काफी बढ़ाया है, खासकर स्पेस सेक्टर में। एम-टू लैबो की फाउंडर और सीईओ युरिको काटो ने प्रधानमंत्री मोदी को 'दुनिया के एक महान नेता' बताया और कहा कि भारत और जापान इनोवेशन आधारित विकास के लिए 'बेहतरीन जोड़ी' हैं।

इनोवेशन थ्रू एनर्जी के प्रेसिडेंट और सीईओ पंकज गर्ग ने कहा कि भारत-जापान संबंध पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हैं और यह साझेदारी दोनों के लिए फायदेमंद है। सिंस्पेक्टिव के फाउंडर मोटोयुकी अराई ने कहा कि जापान की हार्डवेयर में ताकत और भारत की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एनालिटिक्स में विशेषज्ञता मिलकर भविष्य में बड़ी संभावनाएं बना सकती हैं। आईएचआई कॉरपोरेशन के प्रेसिडेंट हिरोशी आइडे ने कहा कि दोनों देश मिलकर ग्रीन अमोनिया का एक इकोसिस्टम बना सकते हैं, जिसमें भारत उत्पादन का केंद्र हो सकता है और जापान बड़ा निर्यात बाजार बन सकता है। सुजुकी के प्रतिनिधि निदेशक और प्रेसिडेंट तोशिहिरो सुजुकी ने कहा कि भारत तेजी से दुनिया के लिए एक बड़ा मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट हब बन रहा है। तोहो कोकी सेसाकुशो कंपनी लिमिटेड के कार्यकारी अध्यक्ष तात्सुतोशी सुजुकी ने कहा कि भारत एक बहुत बड़ा और संभावनाओं से भरा बाजार है, जिसमें लंबे समय तक विकास की अच्छी संभावनाएं हैं।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने पश्चिम एशिया के सभी गंतव्यों के लिए शुरू की उड़ानें

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा समूह के स्वामित्व वाली कम लागत वाली विमानन कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने पश्चिम एशिया (खाड़ी देशों) के लिए अपनी सभी उड़ानों को पूरी तरह से बहाल कर दिया है। विमानन कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने पश्चिम एशिया नेटवर्क के सभी गंतव्यों के लिए अपनी सेवाएं बहाल कर दी हैं, जिसमें ओमान के 'सालालाह' और 'कुवैत' के लिए उड़ानें भी शामिल हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि कोझिकोड से सालालाह के लिए उड़ानें 02 जुलाई से शुरू हो चुकी हैं। इसके अलावा कोझिकोड-कुवैत रूट पर 03 जुलाई से और बेंगलुरु-कुवैत रूट पर 04 जुलाई से उड़ानें दोबारा शुरू की जा रही हैं। कंपनी ने बताया कि आने वाले दिनों में इन रूटों पर उड़ानों की संख्या को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जाएगा।

कंपनी ने 'एक्स' पर जारी एक अन्य पोस्ट में कहा कि पूर्वोत्तर भारत का गेटवे अब पश्चिम एशिया का गेटवे भी बन गया है।

हमें पूर्वोत्तर भारत को पश्चिम एशिया से जोड़ने वाली पहली सीधी उड़ानें शुरू करने पर गर्व है। ये उड़ानें गुवाहाटी को 04 अगस्त से दुबई और 07 अगस्त से अबू धाबी से जोड़ेंगी। #XploreMore और अभी http://airindiae&press.com, AIX मोबाइल ऐप या अपने ट्रैवल एजेंट के जरिए बुकिंग करें।

FSSAI ने 'एनर्जी ड्रिंक' के दावे को लेकर रेड बुल, पेप्सिको इंडिया, कैम्पा सहित कई ब्रांड्स को भेजा नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बेवरेज ब्रांड्स को 'एनर्जी ड्रिंक' शब्द के इस्तेमाल और प्रोडक्ट लेबल पर कथित तौर पर गुमराह करने वाले दावों को लेकर रेड बुल, पेप्सिको इंडिया, कैम्पा सहित कई ब्रांड्स को नोटिस जारी किए हैं। एफएसएसएआई का कहना है कि खाद्य सुरक्षा नियमों के तहत ऐसे प्रोडक्ट्स के लिए कोई स्टैंडर्ड तय नहीं किया गया है। सोशल मीडिया पोस्ट में खाद्य नियामक ने कहा कि उसने गलत ब्रांडिंग और लेबलिंग के नियमों के उल्लंघन को लेकर कई ब्रांड्स जैसे रेड बुल एनर्जी ड्रिंक, हेल एनर्जी (हेल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड), कैम्पा एनर्जी ड्रिंक, मॉन्स्टर एनर्जी और पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के एड्रेनालिन रश और स्टिंग को नोटिस भेजे थे। एफएसएसएआई के अनुसार, 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006' और इसके तहत बने नियमों और रेगुलेशन में एनर्जी ड्रिंक्स या ऐसे ही दूसरे प्रोडक्ट्स के लिए कोई स्टैंडर्ड तय नहीं किया गया है। नियामक ने स्पष्ट किया कि 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (फूड प्रोडक्ट्स स्टैंडर्ड्स एंड फूड एडिटिव्स) रेगुलेशन, 2011' के तहत 'फूड कैटेगरी सिस्टम' का इस्तेमाल प्रोडक्ट का नाम रखने या लेबलिंग के मकसद से नहीं किया जाना चाहिए। एफएसएसएआई ने आगे कहा कि 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006' के तहत खाद्य उत्पादों के लिए ऐसे दावे करने को मंजूरी नहीं दी गई है जिनसे कार्यात्मक या चिकित्सीय फायदे का पता चले, जैसे कि एनर्जी लेवल बढ़ाना, फोकस बेहतर करना, शरीर और दिमाग को ताजगी देना, दिमाग को स्टिम्युलेट करना, शरीर को एनर्जी देना, आम कमजोरी में मदद करना आदि। नियामक ने यह भी आरोप लगाया कि इन ब्रांड्स ने अपने प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग और लेबलिंग में 'एनर्जी ड्रिंक' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया और ऐसे दावे किए जो मौजूदा नियमों के तहत मान्य नहीं हैं। ये नोटिस एफएसएसएआई की उन कोशिशों का हिस्सा हैं जिनका मकसद फूड और बेवरेज सेक्टर में गलत ब्रांडिंग और गुमराह करने वाले दावों पर रोक लगाना है।

जापानी प्रधानमंत्री के साथ मोदी ने किया मारुति सुजुकी के खरखौदा प्लांट का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने हरियाणा के आईएमटी खरखौदा स्थित मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के नए वाहन निर्माण सुविधा का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन किया। 800 एकड़ में विकसित इस निर्माण सुविधा की वर्तमान उत्पादन क्षमता पांच लाख वाहन प्रतिवर्ष है, जिसे बढ़ाकर दस लाख वाहन प्रतिवर्ष किया जाएगा। परियोजना में 35 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के अनुसार कार्यक्रम में सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के प्रतिनिधि निदेशक एवं अध्यक्ष तोशिहिरो सुजुकी, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिसाशी ताकेउची तथा भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरे विश्व में सुजुकी की दो तिहाई कार भारत में बनती है और 100 से अधिक देशों में इनका निर्यात होता है। कंपनी के अनुसार खरखौदा में स्थापित यह अत्याधुनिक वाहन निर्माण परिसर लगभग 800 एकड़ में फैला है और इसमें एकीकृत सप्लायर पार्क भी विकसित किया गया है। संयंत्र की मौजूदा वार्षिक उत्पादन क्षमता पांच लाख वाहनों की है। इसे चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर दस लाख वाहन प्रतिवर्ष किया जाएगा। पूर्ण क्षमता प्राप्त होने पर यह दुनिया के सबसे बड़े वाहन निर्माण सुविधाओं में शामिल होगा। कंपनी का कहना है कि यह संयंत्र उसके प्रतिवर्ष 40 लाख वाहनों के उत्पादन लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस परियोजना में कुल 35 हजार करोड़ रुपये के निवेश का अनुमान है, जिससे 21 हजार से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। कंपनी ने बताया कि यह संयंत्र 'सुजुकी स्मार्ट फैक्टरी' अवधारणा और इंडस्ट्री 5.0 के सिद्धांतों पर विकसित किया गया है। इसमें सुरक्षा, गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए आधुनिक विनिर्माण तकनीकों का उपयोग किया गया है। संयंत्र में सौर ऊर्जा, बायोगैस, बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली और हरित ऊर्जा खरीद जैसी टिकाऊ व्यवस्थाओं को अपनाया गया है। इसकी पूरी बिजली आवश्यकता नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से पूरी करने की योजना है।

कोच्चि में 'सीफूड एक्सपो भारत' के दौरान राष्ट्रीय कौशल ओलंपियाड के दूसरे संस्करण का समापन

एजेंसी

नई दिल्ली। समुद्री खाद्य मूल्य संवर्धन पर राष्ट्रीय कौशल ओलंपियाड के दूसरे संस्करण का समापन केरल के कोच्चि में बुधवार को सीफूड एक्सपो भारत 2026 के दौरान हुआ। समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विदेशी बाजारों के लिए मूल्यवर्धित समुद्री खाद्य उत्पाद तैयार करने में दस प्रशिक्षित समुद्री खाद्य प्रसंस्करण पेशेवरों के कौशल का प्रदर्शन किया गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि राष्ट्रीय समुद्री खाद्य मूल्य संवर्धन कौशल ओलंपियाड के दूसरे संस्करण का भव्य फाइनल सीफूड एक्सपो भारत 2026 के दौरान कोच्चि में बुधवार को आयोजित किया गया। एमपीईडीए की इस पहल में समुद्री खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के 10 प्रशिक्षित पेशेवरों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने मूल्य संवर्धित समुद्री खाद्य उत्पादों को तैयार करने में अपनी पाक-कला और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले वाले फाइनल में आंध्र प्रदेश के काकीनाडा स्थित देवी फिशरीज लिमिटेड के पी. सूर्य भास्कर विजेता के रूप में उभरे। मंत्रालय के मुताबिक तमिलनाडु के तूतीकोरिन स्थित थेवा एंड कंपनी के मुथु कुमारन ने इसमें दूसरा स्थान प्राप्त किया।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम चरण में, भारत को मिलेगा प्रतिस्पर्धात्मक लाभः पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। अधिकांश प्रमुख मुद्दों पर सहमति बन चुकी है और दोनों देश ऐसे समझौते की दिशा में काम कर रहे हैं, जिससे भारत को अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर व्यापारिक लाभ मिल सके। एनडीटीवी इंडो-जापान स्ट्रैटेजिक डायलॉग में बोलते हुए गोयल ने कहा कि वॉशिंगटन में हाल के कानूनी और नीतिगत घटनाक्रमों के बावजूद उन्हें भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर कोई बड़ी बाधा नजर नहीं आती। उन्होंने कहा, 'हमें अमेरिका के साथ किसी तरह की कठिनाई नहीं दिख रही है। रियायतों और अन्य अधिकांश पहलुओं पर लगभग सहमति बन चुकी है।' उन्होंने बताया कि भारत ने लगातार यह मांग की है कि उसे अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर बाजार पहुंच मिले और अमेरिकी प्रशासन ने इस दृष्टिकोण को समझा है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत लगाए गए टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद की स्थिति पर गोयल ने कहा कि अमेरिका अब एक वैकल्पिक व्यवस्था तैयार कर रहा है, जिससे भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनी रहे।

उन्होंने बताया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) राजदूत जैमीसन ग्रीर भी वार्ता के दौरान भारत की इस स्थिति को स्वीकार कर चुके हैं।

गोयल ने कहा कि अधिक टैरिफ के बावजूद भारत का अमेरिका को निर्यात मजबूत बना हुआ है, और दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने अनुमान जताया कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान

भारत का वस्तु निर्यात (मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट्स) पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत बढ़ेगा। वाणिज्य मंत्री ने बताया कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 15 जुलाई से लागू हो जाएगा। इसके बाद भारतीय निर्यातकों के लिए ब्रिटेन के बाजार में नए अवसर खुलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते की कानूनी जांच अगले 10 से 12 दिनों में पूरी होने की उम्मीद है। इसके बाद यह मंजूरी की प्रक्रिया में जाएगा। गोयल ने विश्वास जताया कि यह समझौता इस वर्ष के अंत तक लागू हो जाएगा, क्योंकि यूरोपीय संघ के सभी 27 सदस्य देश इसका समर्थन कर रहे हैं और किसी भी देश ने वार्ता का विरोध नहीं किया है। पीयूष गोयल ने भारत-जापान संबंधों पर भी जोर देते हुए कहा कि अब तक दोनों देशों के रिश्तों का मुख्य आधार निवेश रहा है, लेकिन आने वाले समय में इस साझेदारी को व्यापार, टेक्नोलॉजी सहयोग और कुशल कार्यबल तक विस्तारित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की दीर्घकालिक आर्थिक विकास रणनीति में जापान एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है और दोनों देशों के बीच सहयोग के नए क्षेत्रों में तेजी से काम किया जाना चाहिए।

ईरान में खामेनेई के ताबूत पर रखा गया खास लाल झंडा, पहली बार नजर आए आईआरजीसी के नए कमांडर अहमद वाहिदी

एजेंसी

तेहरान। ईरान में इस साल 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल की संयुक्त सैन्य कार्रवाई में मारे गए देश के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में शुरू हो गई हैं। खामेनेई के ताबूत के पास एक खास लाल झंडा रखा गया है। दिवंगत नेता के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम शुरू होने से पहले इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के नए कमांडर ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका से युद्ध के बाद आईआरजीसी के कमांडर अहमद वाहिदी पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए। उन्हें रात को अयातुल्ला खामेनेई के अंतिम संस्कार जुलूस (जो 4 जुलाई से शुरू होगा) से पहले उनके ताबूत के पास देखा गया। तेहरान में हुसैनी इमाम खुमैनी के पास विदाई समारोह के लिए अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्थिव शरीर पहुंच गया है। हुसैनी इमाम खुमैनी तेहरान में स्थित एक प्रमुख धार्मिक और राजनीतिक सभा स्थल है। अली खामेनेई ने तीन दशकों से ज्यादा समय तक देश का नेतृत्व किया है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के नए प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी ने पूर्ववर्ती मोहम्मद पाकपौर की जगह ली है। पाकपौर ईरान पर शुरुआती अमेरिकी-इजराइली हमलों में मारे गए थे। वाहिदी ने पूर्व सर्वोच्च नेता खामेनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने परिवार के कारोबार का बचाव किया, कहा- बच्चों करना पड़ता है जांच का सामना

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने परिवार के कारोबार का बचाव किया। उन्होंने कहा कि उनके राष्ट्रपति बनने से पहले से ही बच्चे व्यापार के क्षेत्र में हैं। उन्हें कड़ी जांच का सामना करना पड़ता है। ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति का पद इतना ताकतवर होता है कि उनके बच्चे जो कुछ भी करते हैं, उसे हितों का टकराव माना जा सकता है। छुट्टियांव मौसमी आयोजन राष्ट्रपति ट्रंप की यह टिप्पणी मंगलवार को जारी उनकी 2025 की वार्षिक वित्तीय प्रकटीकरण रिपोर्ट (फाइनेंशियल डिस्क्लोजर रिपोर्ट) के बाद आई है। इस रिपोर्ट से सार्वजनिक हुआ कि व्हाइट हाउस में वापसी के पहले साल 2025 में उन्होंने अपने परिवार से जुड़े क्रिप्टोकरेंसी वेंचर से 580 मिलियन डॉलर से ज्यादा कमाए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में सीएनबीसी के साथ साक्षात्कार में इस सबके अलावा अन्य मुद्दों पर पर भी बातचीत की। ट्रंप ने कहा, राष्ट्रपति की नीतियां अर्थव्यवस्था के लगभग हर हिस्से पर असर डालती हैं। बच्चों की अपनी जिंदगी है। क्रिप्टो वेंचर में कुछ भी गैरकानूनी या गलत नहीं हुआ। उन्होंने हितों के टकराव से जुड़े संघीय कानूनों का जिक्र भी किया।

हंगरी ने भगोड़े पोलिश पूर्व मंत्री की शरणार्थी मान्यता रद्द की

वारसॉ। पोलैंड सरकार ने बताया कि हंगरी की नई सरकार ने भगोड़े पूर्व न्याय मंत्री ज्बिग्न्येव जियोब्रो, उनके पूर्व उपमंत्री मार्सिन रोमानोव्स्की और जियोब्रो की पत्नी पत्रिच्या कोतेत्स्का-जियोब्रो का शरणार्थी दर्जा रद्द कर दिया है। इस फैसले के बाद तीनों अब उन विशेष यात्रा दस्तावेजों का उपयोग नहीं कर सकेंगे, जिनकी मदद से वे हंगरी छोड़कर विदेश गए थे। समयऔर कैलेंडर पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि हंगरी ने न केवल तीनों की शरणार्थी मान्यता समाप्त की है, बल्कि उनके यात्रा दस्तावेज भी अमान्य कर दिए हैं। उन्होंने कहा, न्याय की प्रक्रिया धीमी हो सकती है, लेकिन अंततः न्याय होता है। जियोब्रो और रोमानोव्स्की पर सरकारी अपराध पीड़ित सहायता कोष के धन के कथित राजनीतिक दुरुपयोग सहित सत्ता के दुरुपयोग के कई आरोप हैं। दोनों नेता इन आरोपों को खारिज करते हुए दावा करते हैं कि वे राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार हैं और वर्तमान प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के करीबी लोगों के खिलाफ की गई अपनी जांच के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

कांगो में बुंडीबुग्यो इबोला के इलाज का पहला क्लिनिकल ट्रायल शुरू

जिनेवा/किन्शासा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया कि कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआर कांगो) में फैले बुंडीबुग्यो इबोला प्रकोप से निपटने के लिए नए उपचार के क्लिनिकल ट्रायल में पहले मरीज को शामिल कर लिया गया है। इसे महामारी से लड़ाई में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने कहा कि यह परीक्षण इबोला के इस दुर्लभ स्वरूप के इलाज की दिशा में अहम कदम है। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि अविश्वास और हिंसा अब भी स्वास्थ्यकर्मियों के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं। उन्होंने बताया कि इतुरी प्रांत में एक इबोला उपचार केंद्र पर हुए हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जिससे महामारी नियंत्रण अभियान प्रभावित हुआ है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, बुंडीबुग्यो इबोला के लिए फिलहाल कोई स्वीकृत टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है। इस प्रकोप में अब तक 1,400 से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं, जबकि 438 मरीजों की मौत हो चुकी है। पिछले दो सप्ताह में प्रतिदिन औसतन 38 नए पुष्ट मामले सामने आए हैं।

अमेरिका ने 250वीं सालगिरह के लिए पासपोर्ट किया लॉन्च, रुबियो बोले- ये हमारी विरासत, मूल्यों का प्रतीक

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका ने अमेरिकी आजादी की 250वीं सालगिरह के मौके पर एक यादगार पासपोर्ट पेश किया है, जिसमें एक नए डिजाइन वाला ट्रैवल डॉक्यूमेंट भी शामिल है। आने वाले महीनों में पासपोर्ट आवेदन प्रक्रिया के ज्यादातर हिस्से को डिजिटाइज करने की योजना है। इस विशेष संस्करण के पासपोर्ट पर अमेरिका की स्थापना की याद में विशेष कलाकृतियां (कस्टम आर्टवर्क) बनाई गई हैं, जबकि इसमें सामान्य अमेरिकी पासपोर्ट की सभी सुरक्षा विशेषताएं भी बरकरार रखी गई हैं। यह पासपोर्ट 6 जुलाई से आम लोगों के लिए उपलब्ध होगा। वॉशिंगटन में आयोजित लॉन्च कार्यक्रम में अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने कहा कि यह पासपोर्ट केवल एक यात्रा दस्तावेज नहीं, बल्कि अमेरिका की विरासत, मूल्यों और राष्ट्रीय पहचान का भी प्रतीक है। विदेश सचिव रुबियो ने कहा, 'पासपोर्ट सिर्फ एक ट्रैवल डॉक्यूमेंट नहीं है; यह अपने मतलब के हिसाब से बहुत कीमती है। जब हम विदेश जाते हैं तो हममें से कई लोगों के लिए यह बहुत गर्व की बात होती है कि हम यह अमेरिकी पासपोर्ट दिखा सकें।' उन्होंने कहा कि यह स्मारक संस्करण 'मानव इतिहास के सबसे महान राष्ट्र की स्थापना की 250वीं वर्षगांठ' को समर्पित है। रुबियो ने कहा कि रीडिजाइन किया गया पासपोर्ट अमेरिकी पासपोर्ट कार्यक्रम को मॉडर्न बनाने की एक बड़ी कोशिश का हिस्सा है। स्मारक संस्करण से शुरुआत करते हुए, पासपोर्ट को एक विशेष प्रेजेंटेशन बॉक्स में दिया जाएगा, जिसके साथ उसकी प्रामाणिकता का प्रमाणपत्र (सर्टिफिकेट ऑफ ऑथेंटिसिटी) भी शामिल होगा। रुबियो ने कहा, 'हमने सोचा कि अमेरिकी पासपोर्ट जैसी जरूरी और सम्मानजनक चीज के लिए, इसमें सच में उससे कुछ ज्यादा होना चाहिए।' उन्होंने भविष्य के अपग्रेड के बारे में भी बताया, जिससे लगभग पूरा पासपोर्ट आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन पूरा कर सकेंगे। रुबियो ने कहा, 'आप असल में ऑनलाइन जा पाएंगे। आप लगभग सारा काम पूरी तरह से ऑनलाइन कर पाएंगे।' प्रस्तावित नए सिस्टम के तहत, आवेदक अपने कंप्यूटर या मोबाइल डिवाइस पर कैमरे का इस्तेमाल करके पासपोर्ट फोटो ले सकेंगे। डिपार्टमेंट के सुरक्षा प्रणाली के जरिए फेशियल वेरिफिकेशन पूरा किया जाएगा, जिससे फोटो सेंटर जाने की जरूरत कम हो जाएगी। रुबियो ने कहा, 'इससे लंबे इंतजार, लंबी लाइनों और अपॉइंटमेंट में कमी आएगी। आने वाले महीनों में डिजिटल सुधार शुरू होने की उम्मीद है।' भविष्य के पासपोर्ट संस्करणों में दस्तावेज में दिखाए गए अमेरिकी इतिहास के महत्वपूर्ण क्षणों को समझाने वाले लघु वीडियो से जुड़े क्यूआर कोड भी शामिल होने की उम्मीद है। विदेश सचिव रुबियो ने कहा, 'जब आप उस क्यूआर कोड पर जाएंगे, तो यह आपको अमेरिकी इतिहास के उस क्षण की वीडियो प्रस्तुति को पसंद करने के लिए प्रेरित करेगा।'

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के सामने तिब्बती झंडा लिए व्यक्ति ने किया आत्मदाह

एजेंसी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के बाहर हाथों में तिब्बती झंडा लिए एक व्यक्ति ने आत्मदाह कर लिया। न्यूयॉर्क शहर पुलिस विभाग के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि की। फिलहाल मृतक की पहचान का खुलासा नहीं किया गया है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के बाहर विरोध-प्रदर्शन आम बात है और वहां सुरक्षा का कड़ा पहरा रहता है। तिब्बत की निर्वासित सरकार के अनुसार, हाल के दशकों में तिब्बत पर चीन के शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी आत्मदाह की दर्जनों घटनाएं हुई हैं। छुट्टियांव मौसमी आयोजन सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने शाम करीब 6:30 बजे 911 पर आई एक कॉल पर कार्रवाई की। मौके पर पहुंचे अधिकारियों को एक 52 वर्षीय व्यक्ति बुरी तरह झुलसी अवस्था में मिला। उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस विभाग ने इसपर कोई टिप्पणी नहीं की कि व्यक्ति ने खुद को आग क्यों लगाई। पुलिस का कहना है कि जांच चल रही है। अधिकारियों ने अभी तक मृतक की पहचान का खुलासा नहीं किया है। फेसबुक अकाउंट से लाइव-स्ट्रीम किए गए एक वीडियो में एक व्यक्ति को तिब्बती झंडा लिए हुए संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के सामने फर्स्ट एवेन्यू पर रुकते और फिर आग की लपटों में घिरते हुए देखा जा सकता है। वह जमीन पर गिर जाता है। इस दौरान वाहन गुजरते रहते हैं। अचानक दो लोग आग बुझाने वाले यंत्र लेकर पहुंचते हैं। इसी फेसबुक अकाउंट पर लाइव स्ट्रीम के समय के आसपास ही पोस्ट किए गए एक अलग वीडियो में एक व्यक्ति को तिब्बत की आजादी के लिए मिलकर काम करने और अपनी विरासत और पहचान को कभी न भूलने का आह्वान करते हुए देखा जा सकता है।

वेनेजुएला में भूकंप से हुई तबाही के बाद हालात हो रहे सामान्य, प्रभावित इलाके में मेट्रो और रेल सेवाएं हुई बहाल

एजेंसी

काराकस । वेनेजुएला में पिछले हफ्ते आए भूकंप के बाद धीरे-धीरे हालात स्थिर हो रहे हैं। परिवहन मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, लॉस टेक्स शहर में मास-ट्रांजिट रेल सेवा फिर से शुरू हो गई है। इसके साथ ही 24 जून को देश में आए भूकंपों के बाद प्रभावित सभी सार्वजनिक परिवहन रेल सेवाएं अब पूरी तरह बहाल हो चुकी हैं। लॉस टेकेस की रेल सेवा संचालन में लौटने वाली आखिरी ट्रांजिट प्रणाली थी। मंत्रालय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बताया कि लॉस टेक्स मेट्रो की सेवाएं भूकंप के बाद रोक दी गई थीं। हालांकि, इसे फिर से बहाल करने से पहले सर्विस की जांच और निगरानी की गई। बता दें, लॉस टेक्स मेट्रो मिरांडा राज्य की राजधानी को काराकास से जोड़ती है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मंत्रालय ने यह भी कहा कि काराकास को मिरांडा राज्य के वैलेस डेल तुई इलाके से जोड़ने वाला रेलवे सिस्टम वालेंसिया मेट्रो भी सामान्य

तरीके से चल रहा है। वालेंसिया वेनेजुएला के तीसरे सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर को सेवा देने वाला रेल सेवा है। शक्तिशाली भूकंपों से उत्तर-मध्य राज्य ला गुएरा में सड़कों को बहुत नुकसान हुआ। वहीं, काराकास और वेनेजुएला के मध्य क्षेत्र के अन्य राज्यों में ये नुकसान कम रहा। जॉर्डन की सशस्त्र सेना ने एक बयान में कहा कि देश ने कतर के सहयोग से वेनेजुएला में राहत कार्यों में मदद के लिए मानवीय, मेडिकल और खाद्य सहायता भेजी। बयान के मुताबिक, किंग अब्दुल्ला II के निर्देशों के तहत, कतर का सी-17 मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट अम्मान से वेनेजुएला की राजधानी काराकस के लिए रवाना हुआ।

ईरान की अमेरिका को चेतावनी, होर्मुज स्ट्रेट में दखल दिया तो मिलेगा करारा जवाब

एजेंसी

तेहरान। ईरान की मुख्य सैन्य कमान खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट में किसी भी तरह का हस्तक्षेप करता है, तो ईरानी सशस्त्र बल 'तेज और निर्णायक' जवाबी कार्रवाई करेंगे। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जारी बयान में कहा गया कि होर्मुज स्ट्रेट अमेरिका के लिए कोई 'मनमर्जी करने की जगह' नहीं है, बल्कि यह ईरान की 'निर्विवाद संप्रभुता' वाला क्षेत्र है। बयान में कहा गया कि इस जलमार्ग की सुरक्षा और स्थिरता ईरानी सेना के लिए एक लाल रेखा है, जिसे किसी भी कीमत पर पार नहीं होने दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि इस होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले सभी तेल टैंकरों और व्यापारिक जहाजों को ईरान की ओर से तय किए गए समुद्री रास्तों का ही इस्तेमाल करना होगा। अगर कोई जहाज इन नियमों का पालन नहीं करता या दूसरे रास्तों का इस्तेमाल करता है, तो ईरानी सेना तुरंत और सख्त कार्रवाई करेगी। साथ ही, ऐसे जहाजों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है। मुख्यालय ने कहा कि अगर अमेरिका इस होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा

व्यवस्था में दखल देने या वहां किसी तरह की बाधा पैदा करने की कोशिश करता है, तो ईरान इसे अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानेगा और उसका तुरंत व निर्णायक जवाब देगा।

बयान में कहा गया कि इस जलमार्ग के ऊपर अमेरिकी लड़ाकू विमान और ड्रोन की लगातार मौजूदगी से क्षेत्र में असुरक्षा बढ़ती है। ईरान ने कहा कि अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए वह अमेरिका और उसके समर्थकों की किसी भी 'आक्रामक कार्रवाई को कुचलने' के लिए जरूरी कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। इसी बीच, ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक?स पर एक पोस्ट में कहा कि होर्मुज स?ट्रेट 'अमेरिकी सेंट्रल कमांड के नहीं, बल्कि ईरान के नियंत्रण में है।' उनका यह बयान एक दिन बाद आया, जब अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बहरीन में 12 देशों के सैन्य अधिकारियों के साथ एक 'सुरक्षा संवाद' आयोजित किया। इस बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा, रक्षा सहयोग बढ़ाने और होर्मुज स्ट्रेट से व्यापारिक जहाजों की बिना रुकावट आवाजाही सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई।

अमेरिका और जापान के बीच साइबर सुरक्षा को लेकर वाशिंगटन में हुई बातचीत, सहयोग बढ़ाने पर बनी सहमति

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका और जापान के बीच वाशिंगटन में दो दिन की बातचीत हुई। इस बातचीत के बाद, अमेरिका और जापान साइबर सुरक्षा पर सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। उन्होंने इंटेलिजेंस शेयरिंग बढ़ाने, जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा को मजबूत करने, हिंद-प्रशांत में साइबर क्राइम से लड़ने और पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी को अपनाने में तेजी लाने का वादा किया। वाशिंगटन में 30 जून और 1 जुलाई को हुई 11वीं यूएस-जापान साइबर डायलॉग के बाद जारी एक जॉइंट स्टेटमेंट में इन कमिटमेंट्स की घोषणा की गई। अमेरिका ने इस बैठक की मेजबानी की, जिसकी सहअध्यक्षता डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट के ब्यूरो ऑफ इमर्जिंग थ्रेट्स और ब्यूरो ऑफ ईस्ट एशियन एंड पैसिफिक अफेयर्स ने की। जापान के विदेश मंत्रालय और नेशनल साइबरसिक्योरिटी ऑफिस ने टोक्यो की तरफ से बातचीत की सहअध्यक्षता की। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में व्हाइट हाउस

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के स्टाफ, नेशनल साइबर डायरेक्टर ऑफिस, नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर ऑफिस, युद्ध विभाग, न्याय विभाग, फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन, गृह सुरक्षा विभाग, साइबर सिक्योरिटी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्टैंडर्ड्स एंड टेक्नोलॉजी और फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन के अधिकारी शामिल थे। जापान के प्रतिनिधिमंडल में आंतरिक मामलों और संचार मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, व्यापार और उद्योग, रक्षा मंत्रालय, नेशनल पुलिस एजेंसी और पब्लिक सिक्योरिटी इंटेलिजेंस एजेंसी के प्रतिनिधि शामिल थे।संयुक्त बयान में, दोनों देशों ने कहा कि उन्होंने 'साइबरस्पेस में खतरों से सीधे निपटने के अपनी साझा प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया।' उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्षों ने साइबरस्पेस में द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग और अमेरिका-जापान गठबंधन की ताकत को और गहरा किया है। इसके लिए उन्होंने नई तकनीक का फायदा उठाने, जानकारी शेयर करने को मजबूत करने और अंतरसंचालनीयता को बेहतर बनाने पर सहमति जताई। कमिटमेंट्स में, दोनों सरकारें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई टेक्नोलॉजी का फ़ायदा उठाने और जानकारी शेयर करने और इंटरऑपरेबिलिटी को बेहतर बनाने के लिए भरोसेमंद तकनीक पर बने सुरक्षित और सॉवरेन क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाने पर सहमत हुईं। उन्होंने साइबर क्षेत्र के खतरों से निपटने के लिए आपसी सहयोग का भी संकल्प लिया। इसके तहत परिष्कृत सरकारी और गैर-सरकारी तत्वों से मिलने वाली चुनौतियों का आकलन साझा किया जाएगा।

तेज बारिश और आंधी से कई हादसे, दो लोगों की मौत, नौ घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पिछले 24 घंटों के दौरान तेज बारिश और आंधी से जुड़े हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता फारूक अहमद ने बताया कि अटॉक में एक दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। वहीं, पारा शाहीन बाग इलाके में एक घर की छत गिरने से तीन लोग घायल हो गए। खुशाब के कायदाबाद इलाके में बिजली गिरने से एक व्यक्ति घायल हो गया। वहीं, सरगोधा में तेज हवा के कारण एक साइनबोर्ड गिर गया, जिससे एक व्यक्ति घायल हुआ।शेखूपुरा में लकड़ी की बनी छत गिरने से भी एक व्यक्ति घायल हो गया। रेस्क्यू 1122 ने बताया कि उनकी टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं और सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। पाकिस्तान मौसम विभाग (पीएमडी) ने कहा था कि जुलाई के पहले हफ्ते में देश में मानसून का नया दौर शुरू होने वाला है। इससे पहले 14 जून को प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने बताया था कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तेज आंधी, बिजली गिरने और बारिश से जुड़े अलग-अलग हादसों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई थी और 33 लोग घायल हुए थे। पीडीएमए की नुकसान आकलन रिपोर्ट के मुताबिक, बन्नू, शांगला और मानसेहरा में हुई इन घटनाओं में मरने वालों में चार पुरुष, एक महिला और दो बच्चे शामिल थे। तेज आंधी और भारी बारिश के कारण कई जगह घरों की दीवारें और छतें गिर गईं, जिससे ये हादसे हुए। जियो न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। ये घटनाएं उन हादसों के कुछ ही दिनों बाद हुईं, जिनमें खैबर पख्तूनख्वा में बारिश और तेज हवाओं की वजह से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई थी।

क्यूबा के डिप्लोमैट का दावा-अमेरिका दूसरे देशों पर क्यूबा को अलग-थलग करने के लिए डाल रहा है दबाव

एजेंसी

हवाना । क्यूबा के उपविदेश मंत्री कार्लोस फर्नांडीज डी कोसियो के अनुसार, अमेरिकी सरकार दुनिया भर की सरकारों पर क्यूबा के साथ द्विपक्षीय स्वास्थ्य सुविधा कार्यक्रम खत्म करने का दबाव बना रही है। न्यूज एजेंसी के अनुसार, क्यूबा के उपविदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर लिखा कि कार्यक्रमों को खत्म करने का असर यह हुआ है कि कई सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच से दूर हो गईं। उन्होंने कहा कि अमेरिका अन्य देशों पर भी दबाव बना रहा है कि वे अमेरिका द्वारा क्यूबा पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंध के खिलाफ अपने पारंपरिक रुख में बदलाव करें और यहां तक कि इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में चर्चा करने से भी इनकार कर दें।

उन्होंने कहा कि क्यूबा को फ्यूल एक्सपोर्ट करने पर वाशिंगटन के प्रतिबंध का पालन करने के लिए वह पहले से ही दूसरी सरकारों पर दबाव डाल रहा है। क्यूबा के अधिकारियों ने बार-बार वाशिंगटन के ऊर्जा प्रतिबंधों की निंदा करते हुए इसे नरसंहार और सामूहिक सजा का एक रूप बताया है। क्यबा के अधिकारियों का कहना है कि इससे रोजाना लंबे समय तक ब्लैकआउट, ट्रांसपोर्ट की कमी और आर्थिक गतिविधियों में रुकावटें आती हैं। क्यूबा ईंधन आयात पर बहुत ज्यादा निर्भर है। पिछले छह महीनों में क्यूबा को सिर्फ एक ऑयल टैंकर रूसी अनातोली कोलोडकिन मिला, जिसमें लगभग 100,000 टन कच्चा तेल है।

आधिकारिक सोर्स के मुताबिक, क्यूबा को सामान्य तरीके से काम करने के लिए हर महीने लगभग आठ फ्यूल टैंकर चाहिए होते हैं।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा के प्रति अमेरिकी नीति में संभावित बदलाव का संकेत देते हुए कहा कि यह आइलैंड देश हमारी तरफ आ रहा है। हालांकि, उन्होंने इस संबंध में और अधिक जानकारी नहीं दी।

ट्रंप ने यह बात बुधवार (स्थानीय समय) को नॉर्थ डकोटा के मेडोरा में थियोडोर रूजवेल्ट प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के उद्घाटन समारोह में कही। उनकी यह बात थियोडोर रूजवेल्ट की विदेश नीति की विरासत और पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिका के प्रभाव को लेकर एक बड़ी चर्चा के दौरान आई।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'क्यूबा की बात करें तो, कई, कई दशकों के बाद, यह हमारी तरफ आ रहा है।' राष्ट्रपति ने यह नहीं बताया कि उनका क्या मतलब था या क्यूबा के लिए किसी नई पॉलिसी का ऐलान नहीं किया। ट्रंप ने यह टिप्पणी थियोडोर रूजवेल्ट की विदेशों में अमेरिकी प्रभाव बढ़ाने में भूमिका की तारीफ करने के बाद किया, जिसमें पनामा नहर का निर्माण और स्पेनिश-अमेरिकी युद्ध का नतीजा शामिल है।

सीरिया की राजधानी दमिश्क में एक कैफे में भीषण धमाका, 9 लोगों की मौत

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क में एक कैफे में भीषण धमाके में 9 लोगों की जान चली गई है, जबकि 20 लोग घायल हो गए हैं। सीरिया के गृह मंत्रालय की ओर से बीती रात ये जानकारी दी गई कि मध्य दमिश्क के एक कैफे में धमाका हुआ और 9 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, लगभग एक किलोग्राम वजन वाले एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से धमाका किया गया, जिसमें धातु के टुकड़े भरे हुए थे। स्थानीय समयानुसार दोपहर तीन बजे विस्फोट किया गया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह धमाका डिवाइस हिजाज इलाके में अल-नस्र स्ट्रीट पर स्थित एक कैफे के अंदर किया गया। यह जगह जस्टिस पैलेस से पश्चिम की ओर लगभग 70 मीटर दूर है। अधिकारियों ने बताया कि धमाके के तुरंत बाद सुरक्षा बल और इमरजेंसी टीमें एक्टिव हुईं। घायलों को जल्द से जल्द इलाज मिले इसके लिए टीमों की ओर से कार्रवाई शुरू की गई। उनकी ओर से यह भी बताया गया कि धमाके की परिस्थितियों का पता लगाने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। इससे पहले, सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी एसएएनए ने इमरजेंसी अधिकारियों के हवाले से बताया कि सभी घायलों को अस्पतालों में पहुंचा दिया गया है। धमाके की जिम्मेदारी किसी समूह की ओर से नहीं लिया गया है, फिर भी सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि इस्लामिक स्टेट सुरक्षा की कमी का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। क्योंकि असद को सत्ता से हटाए जाने के बाद नई सरकार पूरे सीरिया पर अपना नियंत्रण मजबूत करने की कोशिश कर रही है। इस दौरान इस्लामिक स्टेट अपने स्लीपर सेल को फिर से सक्रिय कर रहा है, नए लड़ाकों को भर्ती कर रहा है और हथियारों को दूसरी जगहों पर पहुंचा रहा है। इससे पहले जून में, सरकारी समाचार एजेंसी की ओर से जानकारी दी गई थी कि उत्तरी सीरिया के अलेप्पो प्रांत में अज्ञात लोगों ने सीरिया के दो सैनिकों की हत्या कर दी। रक्षा मंत्रालय के एक सूत्र के हवाले से एसएएनए ने बताया कि इन दोनों सैनिकों को अलेप्पो के उत्तर-पूर्वी ग्रामीण इलाके में मंबिज शहर के पास निशाना बनाया गया था।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पर्यटकों से भरी नाव पलटने से सात लोगों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सैफुल्लाह झील पर पर्यटकों से भरी नाव के पलट जाने से सात लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति लापता हो गया। एक जिला पुलिस अधिकारी ने मीडिया को बताया कि बुधवार को स्वात जिले के सुंदर कलाम इलाके में एक ही परिवार के आठ सदस्यों को लेकर घूमने निकली नाव पलट गई। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सात लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि बचाव दल, पुलिस अधिकारी और स्थानीय स्वयंसेवक लापता व्यक्ति की तलाश जारी रखे हुए हैं।स्थानीय मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से जानकारी दी है कि इससे पहले मंगलवार को लाहौर के कैना इलाके में एक प्राइवेट ट्यूशन एकेडमी की छत गिरने से कम से कम 14 बच्चों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।मौतों की संख्या की पुष्टि करते हुए, पंजाब प्रांत के स्वास्थ्य मंत्री ख्वाजा इमरान नजीर ने कहा कि मलबे में करीब 20 लोग फंसे हुए थे, जिनमें वे 14 बच्चे भी शामिल थे जिन्हें कैना तहसील मुख्यालय (टीएचक्यू) अस्पताल में मृत लाया गया था। सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा होने के बाद, रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता फारूक अहमद ने कहा कि एक महिला टीचर और आठ बच्चों को कई चोटों के साथ लाहौर जनरल हॉस्पिटल (एलजीएच) में भर्ती कराया गया।

वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या 2,595 हुई, 12,000 से ज्यादा घायल

एजेंसी

काराकास । वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि भूकंप से 2,595 लोग मारे गए हैं और 12,000 से ज्यादा घायल हुए हैं। इसके अलावा, देश में 189 इमारतें भूकंप के तेज झटकों की वजह से तबाह हो गई हैं। कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज अस्थायी कैंप बनाने के कमांड सेंटर की भी प्रमुख हैं। इससे पहले उन्होंने स्वास्थ्य श्रमिकों, सुरक्षा कर्मचारियों और फायरफाइटर्स से भूकंप की वजह से घर की दिक्कतों को दूर करने के लिए पैट्रिया प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर करने को कहा था। उन्होंने कहा कि 25 अस्थायी कैंप सक्रिय थे, जिनमें ला गुएरा में 13, काराकास में आठ, मिरांडा में दो, काराबोबो में एक और याराकुय में एक कैंप शामिल हैं। रोड्रिगेज ने कहा कि अधिकारी कैंपों को तैयार करने और प्रभावित लोगों को वहां भेजने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 24 जून से अब तक वेनेजुएला में 782 आफ्टरशॉक रिकॉर्ड किए गए हैं, हालांकि धीरे-धीरे इसमें कमी आई है। इसके अलावा, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने 24 जून को देश में

आए शक्तिशाली भूकंप के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए सात दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पीड़ितों की याद में मैंने बुधवार (स्थानीय समय) की शाम 6:00 बजे से सात दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक घोषित करने का फैसला किया है। भारी दुख की इस घड़ी में हम इस त्रासदी से पीड़ित लोगों को गले लगाते हैं और उनके साथ रहने और उनकी रक्षा करने का अपना वादा दोहराते हैं।' रोड्रिगेज ने आगे कहा, 'खतरनाक भूकंपों से हुए मानव जीवन के नुकसान से वेनेजुएला बुरी तरह टूट गया है।' न्यूज एजेंसी के अनुसार, मंगलवार तक भूकंप से कम से कम 1,943 लोगों की मौत हो चुकी थी और 10,500 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इससे पहले, पुर्तगाली सरकार ने भी वेनेजुएला में भूकंप के पीड़ितों, खासकर पुर्तगाली नागरिकों और पुर्तगाली मूल के लोगों के लिए रविवार (5 जुलाई) को राष्ट्रीय शोक दिवस मनाने की घोषणा की थी।

पुर्तगाल के विदेश मंत्रालय के नए अपडेट के मुताबिक, पुर्तगाली नागरिकों और पुर्तगाली मूल के लोगों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 71 हो गई है, जिसमें 11 बच्चे शामिल हैं, जबकि 71 और लोग लापता हैं।

आधिकारिक लुसा न्यूज एजेंसी के अनुसार, वेनेजुएला में रहने वाला पुर्तगाली समुदाय दुनिया भर में बसे पुर्तगाली प्रवासी समुदायों में सबसे बड़े समुदायों में से एक है। लैटिन अमेरिका में इसका स्थान ब्राजील के बाद दूसरा है। सामुदायिक अनुमानों के मुताबिक, पुर्तगाली मूल के लोगों सहित इस समुदाय की आबादी लगभग 12 लाख (1.2 मिलियन) है। पिछले हफ्ते, वेनेजुएला नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने घोषणा की कि ला गुएरा राज्य को बचाव के कामों में मदद करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिलिट्री कंट्रोल में ले लिया गया है। ला गुएरा लगातार आए दो भूकंपों से बुरी तरह प्रभावित हुआ था।

page 1 and 8 July 4_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/4/2026 1:09 AM Page 2

दो समानांतर थिएटर कैंपों में बच्चों को मिल रहा व्यक्तित्व विकास और सृजनात्मक अभिव्यक्ति का मंच

जम्मू, 03 जुलाई (हि.स.)। नटरंग के समर थिएटर कैंप-2026 में इस वर्ष बच्चों की रचनात्मकता, नवाचार और आत्म-अभिव्यक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिल रहा है। अभिभावकों और बच्चों की भारी रुचि को देखते हुए नटरंग ने पहली बार दो समानांतर थिएटर कैंप आयोजित किए हैं जिससे अधिक से अधिक बच्चों को उसके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित थिएटर प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। पद्मश्री बलवंत ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित यह कैंप बच्चों के लिए रचनात्मक प्रयोगशाला का रूप ले चुका है। अनुभवी थिएटर विशेषज्ञों की टीम बच्चों को व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और सृजनात्मक सोच विकसित करने के लिए आधुनिक एवं अभिनव प्रशिक्षण तकनीकों से परिचित करा रही है।

कैंप की विशेषता यह है कि इसकी संकल्पना, डिजाइन और संपूर्ण निगरानी स्वयं बलवंत ठाकुर कर रहे हैं। इंग्लैंड, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस, इटली, चीन, सिंगापुर, यूएई और अमेरिका जैसे देशों में बच्चों के थिएटर संस्थानों के साथ कार्य करने के अपने व्यापक अनुभव के आधार पर उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल प्रशिक्षण विधियों को कार्यक्रम में शामिल किया है। नटरंग वर्ष 1990 से लगातार 45 दिवसीय समर थिएटर कैंप आयोजित कर रहा है। पिछले 36 वर्षों में यह जम्मू के बच्चों के लिए सबसे महत्वपूर्ण रचनात्मक मंच बनकर उभरा है जहां कला, संस्कृति, नवाचार और प्रदर्शन कलाओं के माध्यम से युवा प्रतिभाओं को निखारा जाता है। यह कार्यक्रम बच्चों में अनुशासन, सामाजिक जागरूकता, आत्मविश्वास और नेतृत्व जैसे गुणों का विकास भी करता है।

नटरंग के निदेशक बलवंत ठाकुर ने कहा कि थिएटर केवल अभिनय तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक परिवर्तनकारी शैक्षणिक प्रक्रिया है जो बच्चों में आत्मविश्वास, जिज्ञासा, आलोचनात्मक सोच, भावनात्मक मजबूती और टीम भावना विकसित करती है।

गुणवत्ता, विश्वास व वैश्विक मानकों पर खरा उतरे यूपी का आम: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया आम महोत्सव-2026 का शुभारंभ, स्टॉल्स का अवलोकन किया और आम की 800 प्रजातियों के बारे में जानकारी ली

आम की फसल से काफी मुनाफा कमा रहे किसान, देश में 26 फीसदी आम का उत्पादन करता है उत्तर प्रदेश: सीएम

सीएम ने की काकोरी ब्रांड की चर्चा, कहा- इसमें देश के प्रति समर्पण का भाव और किसानों की मेहनत की मिठास

उद्यान विभाग को आम की अधिक से अधिक किस्मों को जीआई टैग दिलाने के लिए आवेदन करने का निर्देश

लखनऊ, 3 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुक्रवार को आम महोत्सव-2026 का शुभारंभ किया। उन्होंने स्टॉल्स का अवलोकन कर आम की 800 से अधिक प्रजातियों के बारे में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी तैयारी इस तरह होनी चाहिए कि यूपी के किसानों का आम गुणवत्ता, विश्वास व वैश्विक मानकों पर खरा उतर सके। हमारा लक्ष्य केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि ब्रांडिंग, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग के साथ ही प्रोडक्ट की ट्रेसेबिलिटी व ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन पर भी ध्यान देना होगा। तभी यह एक्सपोर्ट के लिए स्वीकार्य होगा। एक बाग आय के कई मॉडल के रूप में फल उत्पादन, प्रोसेसिंग, टूरिज्म, ऑर्गेनिक उत्पाद, मधुमक्खी पालन, खाद्य उद्योग और एक्सपोर्ट के जरिए किसानों की आमदनी बढ़ाने का माध्यम बन सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सरकार के स्तर पर प्लेटफॉर्म मिलता है, शोकेसिंग का अवसर प्राप्त होता है तो यूपी के आम की प्रजातियों का पता चलता है। यहां प्रदेश व देश के अलग-अलग राज्यों से आम की 800 वैरायटी प्रदर्शित हो रही हैं। वाराणसी-गोरखपुर का लंगड़ा, गोरखपुर का गौरजीत, बस्ती का आम्रपाली, मलिहाबाद लखनऊ का दशहरी, बागपत व सहारनपुर के रटौल समेत प्रदेश के अलग-अलग जनपदों व मंडलों में पैदा होने वाली आम की किस्में वहां की माटी की सुगंध व मिठास के जरिए इस महोत्सव में आए हर व्यक्ति को आकर्षित कर रही है और यही यूपी की ताकत है।

सीएम ने मंच पर सम्मानित होने वाले किसानों से उत्पादन के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने बताया कि एक दिन औद्यानिक फसल से जुड़े किसान से बातचीत हो रही थी। वह प्राकृतिक तरीके से बाग में कीड़ों को नष्ट करने के तरीके बता रहे थे। उनका कहना था कि वह खुद तो इसका उपयोग करते हैं, लेकिन उनके अनुभव को प्लेटफॉर्म न मिलने से अन्य किसानों को व्यापक लाभ नहीं मिल पाता। इसे देखते हुए किसानों को उनके अनुभव साझा करने के लिए अधिक से अधिक प्लेटफॉर्म दिलाने के प्रयास में तेजी लाई जाएगी। सीएम ने कहा कि किसान सामान्यतः एक एकड़ में आम की फसल से दो से तीन लाख रुपये मुनाफा कमा रहे हैं। इसमें वैल्यू एडिशन, प्रोसेसिंग जोड़ेंगे, एक्सपोर्ट के लिए तैयार करेंगे मुनाफा और बढ़ जाता है। आम महोत्सव उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के किसानों के लिए भी शोकेसिंग का आधार है। वे अपने उत्पाद प्रस्तुत कर बायर्स-सेलर मीट के माध्यम से इसे वैश्विक पहचान दिला सकते हैं। मलिहाबाद के आम को जीआई टैग प्राप्त होने से उसे वैश्विक पहचान मिली है।

सीएम ने कहा कि 2017 से यह आयोजन अनवरत हो रहा है। पहले वर्ष महोत्सव में कम वैरायटी आई, लेकिन साल दर साल यह बढ़ता गया। इस साल आम की 800 वैरायटी आईं हैं। इसके साथ ड्रैगन फ्रूट व कमल की ब्रांडिंग भी देखने को मिली। यूपी के सभी 18 मंडलों, 75 जनपदों, 350 तहसीलों और 825 विकास खंडों में आम पैदा होता है। यहां 100 ग्राम से लेकर डेढ़-दो किलो तक वजन वाले आम दिखे। वैरायटी व स्वाद, अन्नदाता किसान व प्रदेश की ताकत को बढ़ाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के कुल आम उत्पादन में उत्तर प्रदेश 26 फीसदी हिस्सेदारी करता है। महोत्सव में 7 श्रेणियों के 56 वर्गों में 800 से अधिक वैरायटी हैं। सीएम ने आम महोत्सव में बायर्स-सेलर्स मीट की सराहना की। कहा कि यूपी में हम लोग ओडीओपी से जुड़े आयोजन करते हैं तो बायर्स-सेलर्स मीट अवश्य रखते हैं।

स्थानीय समाचार

भाजपा एससी मोर्चा ने मनाई संत कबीर दास की 628वीं जयंती

जम्मू, 03 जुलाई (हि.स.)। भाजपा अनुसूचित जाति (एससी) मोर्चा जम्मू-कश्मीर ने प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर जम्मू में संत कबीर दास की 628वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सत शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संत कबीर दास को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सत शर्मा ने कहा कि संत कबीर की शिक्षाएं आज भी समाज को समानता, सद्भाव और सामाजिक न्याय का मार्ग दिखाती हैं। उन्होंने कहा कि संत कबीर ने सामाजिक भेदभाव, पाखंड और ऊंच-नीच का विरोध करते हुए मानवता, सत्य और करुणा का संदेश दिया जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि संत कबीर का मानना था कि व्यक्ति का मूल्य उसकी जाति या सामाजिक स्थिति से नहीं बल्कि उसके चरित्र, सेवा और सदाचार से तय होता है। उनके विचार एक मजबूत, समरस और न्यायपूर्ण भारत के निर्माण के लिए प्रेरणा देते हैं।

थीड हरवान में नहाते समय दो लड़के डूबे, एक की हालत गंभीर

श्रीनगर, 03 जुलाई (हि.स.)। शुक्रवार को श्रीनगर के बाहरी इलाके हरवान में दाचीगाम नाले में नहाते समय दो लड़के डूब गए। अधिकारियों ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने दोनों को बचा लिया। बताया जा रहा है कि एक लड़का श्रीनगर का कक्षा 11 का छात्र है जिसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों और पुलिस के समय पर हस्तक्षेप से एक बड़ी त्रासदी टल गई। अस्पताल में भर्ती लड़के की हालत पर नजर रखी जा रही है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

सड़क हादसे में पिता-बेटे की मौत

किश्तवाड़, 03 जुलाई (हि.स.)। किश्तवाड़ जिले के गुलाबगढ़ के पास शुक्रवार को एक टिपर गाड़ी सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गई, जिससे पिता और उनके बेटे की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए।

यह हादसा तब हुआ जब ड्राइवर ने टिपर पर से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी लुढ़ककर गहरी खाई में जा गिरी। अनिरुद्ध सिंह (55) और उनके बेटे दीपक कुमार (30) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। स्थानीय लोगों और बचाव दलों ने घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों की पहचान धनतेरार सिंह के बेटे सपूत सिंह (35) और गिरधारी लाल के बेटे रविंदर सिंह (35) के रूप में हुई है।

श्री रघुनाथ मंदिर में हुई भव्य संध्या आरती, अमरनाथ यात्रियों की मंगल यात्रा के लिए की गई विशेष प्रार्थना

जम्मू, 03 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर धर्मार्थ ट्रस्ट के तत्वावधान में ऐतिहासिक श्री रघुनाथ जी मंदिर जम्मू में शुक्रवार को श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ भव्य संध्या आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम का विशेष महत्व इसलिए भी रहा क्योंकि इसी दिन वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा के पहले जत्थे को रवाना किया गया। आरती में शामिल श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सफल यात्रा के लिए सामूहिक प्रार्थना की।

इस अवसर पर जम्मू आरती संस्था की अध्यक्ष कुँवरानी डॉ. रितु सिंह ने कहा कि श्री रघुनाथ जी मंदिर में प्रतिदिन होने वाली संध्या आरती केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सनातन संस्कृति, आस्था और आध्यात्मिक चेतना को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि यह परंपरा श्रद्धालुओं में भक्ति और आध्यात्मिक जागरण का संदेश देती है। उन्होंने धर्मार्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. करण सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐतिहासिक मंदिर में प्रतिदिन संध्या आरती आयोजित करने की अनुमति देकर उन्होंने इस

पवित्र परंपरा को पुनर्जीवित करने और आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया है।जम्मू आरती संस्था के उपाध्यक्ष ने भी जम्मू-कश्मीर धर्मार्थ ट्रस्ट का दैनिक आरती के सफल आयोजन में निरंतर मार्गदर्शन, समन्वय और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर विश्व शांति, सामाजिक सौहार्द, समृद्धि तथा श्री अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले सभी श्रद्धालुओं की कुशलता के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर प्रसिद्ध गायिका सोनाली डोगरा ने अपनी मधुर भजन प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर धर्मार्थ ट्रस्ट के सचिव अशोक कुमार शर्मा (सेवानिवृत्त आईपीएस) सहित शहर की अनेक प्रमुख हस्तियां भी उपस्थित रहीं।

जिला कैपेक्स बजट 2026-27 के कार्यों की समीक्षा बैठक

कठुआ, 03 जुलाई (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने जिला कैपेक्स बजट 2026-27 के तहत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने सभी कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त सुरिंदर मोहन शर्मा, आईएएस प्रोबेशनर निधि, मुख्य योजना अधिकारी रणजीत ठाकुर, सहायक आयुक्त विकास अखिल सडोत्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान डीसी ने जिला कैपेक्स बजट के विभिन्न घटकों के अंतर्गत चल रहे कार्यों की सेक्टरवार समीक्षा की। इनमें जिला विकास परिषद अनुदान, ब्लॉक विकास परिषद अनुदान, एरिया बेस्ड डेवलपमेंट प्रोग्राम, एस्पिरेशनल पंचायत डेवलपमेंट प्रोग्राम, सीमा समृद्धि सहित अन्य योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, टेंडरिंग की स्थिति और निर्धारित समय-सीमा का विस्तार से आकलन किया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को शेष कार्यों की टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए ताकि कार्यों का निष्पादन बिना किसी देरी के शुरू किया जा सके। उन्होंने कार्यान्वयन एजेंसियों को निर्धारित गति बनाए रखने और सभी परियोजनाओं को तय समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए।

भारती एयरटेल ने नेटवर्क कवरेज का विस्तार करके अमरनाथ यात्रा के लिए कनेक्टिविटी को मजबूत किया : सीईओ

श्रीनगर, 03 जुलाई (हि.स.)। भारती एयरटेल ने आज अमरनाथ यात्रा के दौरान अपने मोबाइल नेटवर्क के विस्तार की घोषणा की है जिससे क्षेत्र में तीर्थयात्रियों, सुरक्षाकर्मियों और स्थानीय अधिकारियों के लिए कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। चंदनवारी, पिस्सू टॉप और बेताब घाटी में नेटवर्क साइटें स्थापित करके एयरटेल ने बालटाल में अपनी मौजूदा उपस्थिति के अतिरिक्त महत्वपूर्ण पहलगाम मार्ग पर नेटवर्क कवरेज स्थापित कर लिया है जिससे पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर तक निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित हो गई है। यात्रा के दौरान संचार अवसंरचना को मजबूत करने के लिए संबंधित सरकारी अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन के साथ घनिष्ठ समन्वय में यह तैनाती की गई। बेहतर कवरेज विश्वसनीय वॉयस और डेटा कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, आपातकालीन संचार में सहायता करेगा और लाखों तीर्थयात्रियों के लिए डिजिटल पहुंच में सुधार करेगा।

श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026-बिना पंजीकरण आने वाले श्रद्धालुओं को प्रवेश नहीं

कठुआ, 03 जुलाई (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ ने श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026 के सफल एवं सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए श्रद्धालुओं हेतु महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य है तथा बिना पंजीकरण के यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी। जारी सूचना के अनुसार माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत प्रतिदिन यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की अधिकतम संख्या निर्धारित की गई है ताकि यात्रा मार्ग पर सुरक्षा एवं व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित की जा सकें। इसी क्रम में देशभर में बैंक शाखाओं एवं ऑनलाइन माध्यम से अग्रिम पंजीकरण की सुविधा पहले ही उपलब्ध कराई गई थी जिसका अधिकांश श्रद्धालुओं ने लाभ उठाया है। प्रशासन ने बताया कि तत्काल पंजीकरण के स्लॉट अत्यंत सीमित हैं इसलिए श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे बिना पंजीकरण के जम्मू-कश्मीर न पहुंचें। बड़ी संख्या में बिना पंजीकरण आने वाले श्रद्धालुओं को समायोजित करना संभव नहीं होगा।

इसके अतिरिक्त यह भी देखा गया है कि कई पंजीकृत श्रद्धालु अपनी निर्धारित तिथि से पहले ही यात्रा के लिए पहुंच रहे हैं जबकि नियमों के अनुसार उन्हें केवल पंजीकरण तिथि के अनुसार ही यात्रा की अनुमति होगी। ऐसे में सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया है कि वे अपनी निर्धारित तिथि के अनुसार ही यात्रा करें। प्रशासन ने बिना पंजीकरण पहुंचे श्रद्धालुओं से भी धैर्य बनाए रखने और अपने क्रम का इंतजार करने की अपील की है। साथ ही यह आश्वस्त किया गया है कि सभी श्रद्धालुओं को यात्रा का अवसर मिलेगा लेकिन यह निर्धारित प्रक्रिया और उपलब्ध व्यवस्थाओं के अनुसार ही संभव होगा। अंत में जिला प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे नियमों का पालन करें अनुशासन बनाए रखें तथा यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने में प्रशासन का सहयोग करें।

राष्ट्रीय विज्ञान प्रतियोगिता में भद्रवाह की एनसीसी कैडेट वामिका ने हासिल किया तीसरा स्थान, जम्मू-कश्मीर का बढ़ाया मान

आमिर इक़बाल ख़ान

भद्रवाह, 3 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के लिए गर्व के क्षण में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की कैडेट वामिका ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विज्ञान प्रतियोगिता 'विज्ञान पर्व-2026' में तीसरा स्थान हासिल कर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भालड़ा (भद्रवाह) की छात्रा वामिका को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया पदक एवं मेरिट अवॉर्ड डाक के माध्यम से प्राप्त होने के बाद शुक्रवार को विद्यालय में आयोजित एक गरिमामय समारोह में औपचारिक रूप से सम्मानित किया गया।

देशभर से चयनित 144 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विज्ञान प्रतियोगिता में भाग लिया था, जिनमें से केवल छह प्रतिभागियों को मेरिट अवॉर्ड के लिए चुना गया। वामिका का तीसरा स्थान प्राप्त करना न केवल विद्यालय बल्कि पूरे जम्मू-कश्मीर के लिए गौरव की बात है।

वामिका ने 卐भद्रकाशी (भद्रवाह) के जंगली मशरूम卐 विषय पर अपना शोध-प्रोजेक्ट तैयार किया, जिसका मार्गदर्शन विद्यालय के एसोसिएट एनसीसी अधिकारी (एएनओ) डॉ. संजीव कुमार कौल ने किया। इस

शोध में भद्रवाह क्षेत्र में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के जंगली मशरूमों की जैव विविधता, उनकी पारिस्थितिक, पोषण संबंधी तथा वैज्ञानिक महत्ता का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत किया गया।

विद्यालय की प्राचार्य आशा भलवाल ने आयोजित समारोह में वामिका को सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. संजीव कुमार कौल तथा 10 जम्मू-कश्मीर बटालियन एनसीसी, भद्रवाह के हवलदार वीरेंद्र भी उपस्थित रहे। सम्मान समारोह के उपरांत एनसीसी कैडेटों ने औपचारिक परेड में भाग लिया तथा नियमित प्रशिक्षण सत्र का भी आयोजन किया गया।

प्राचार्य आशा भलवाल ने कहा कि वामिका की सफलता भद्रवाह के युवाओं में निहित प्रतिभा का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि वामिका ने न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र को वैज्ञानिक नवाचार के राष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान दिलाई है।

डॉ. संजीव कुमार कौल ने कहा कि यह उपलब्धि स्थानीय स्तर पर किए गए पर्यावरणीय अनुसंधान को राष्ट्रीय पहचान दिलाने का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि स्थानीय जैव विविधता के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण के प्रति वामिका का समर्पण दर्शाता है कि युवा वैज्ञानिक सोच के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। यह उपलब्धि निश्चित रूप से अन्य एनसीसी कैडेटों को भी पारंपरिक प्रशिक्षण से आगे बढ़कर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

इससे पूर्व वामिका को 10 जम्मू-कश्मीर बटालियन एनसीसी मुख्यालय, भद्रवाह में ब्रिगेडियर डी. एन. पांडे, ग्रुप कमांडर एनसीसी जम्मू, कश्मीर एवं लद्दाख तथा बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है।

विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में वसीम काज़ी, निर्भीक सिंह, ओम प्रकाश तथा डॉ. नितन सिंह कोटवाल सहित विद्यालय के अनेक शिक्षक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

उपराज्यपाल सक्सेना ने लद्दाखी युवाओं के लिए रोज़गार से जुड़ी कौशल प्रशिक्षण योजना शुरू की

लेह , 3 जुलाई (हि.स.)। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को लद्दाख के युवाओं के लिए रोज़गार से जुड़ा स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया। इसके तहत केंद्र शासित प्रदेश के सभी सात ज़िलों से चुने गए 36 उम्मीदवारों को नई दिल्ली में इंडस्ट्री की ज़रूरतों के हिसाब से रेजिडेंशियल ट्रेनिंग दी जाएगी और उन्हें नौकरी पाने में मदद भी मिलेगी।

अधिकारियों ने बताया कि 34 लड़कियों और दो लड़कों वाले पहले बैच को लेह से नई दिल्ली स्थित जीएमआर वरलक्ष्मी सेंटर फॉर एम्पावरमेंट एंड लाइवलीहुड्स (सेल) के लिए रवाना किया गया। वहाँ वे जुलाई के पहले हफ़्ते से शुरू होने वाली दो से तीन महीने की ट्रेनिंग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस पहल का मकसद युवाओं को इंडस्ट्री की ज़रूरतों के हिसाब से मार्केट-ओरिएंटेड स्किल्स सिखाकर उनकी रोज़गार पाने की क्षमता को बढ़ाना है साथ ही ऑर्गनाइज़्ड सेक्टर में टिकाऊ आजीविका के रास्ते बनाना है। अधिकारियों ने कहा कि यह प्रोग्राम इसलिए भी खास है क्योंकि चुने गए ज़्यादातर उम्मीदवार पहली बार लद्दाख से बाहर जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग लेने वालों में लेह से दो, करगिल और द्रास से सात-सात, ज़ंस्कार से छह, शाम से आठ, नुब्रा से पाँच और चांगथांग से एक उम्मीदवार शामिल है। उन्हें एडवांस्ड कंप्यूटिंग और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन, कार्गो और लॉजिस्टिक्स, कस्टमर सर्विस, ब्यूटी और स्पा, बिज़नेस बैंकिंग, फ़ूड प्रोडक्शन और सर्विस और फ्रंट ऑफ़िस ऑपरेशन्स में ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने बताया कि यूटी प्रशासन ट्रेनिंग लेने वालों को नई दिल्ली पहुँचाने में मदद कर रहा है जबकि रहने-खाने और ट्रेनिंग का पूरा खर्च जी एम आर अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सी एस आर) पहल के तहत उठा रहा है। प्रोग्राम के सफलतापूर्वक पूरा होने पर, ट्रेनिंग लेने वालों को फ़ाउंडेशन के इंडस्ट्री पार्टनर्स के नेटवर्क के ज़रिए नौकरी पाने में मदद मिलेगी। इन पार्टनर्स में नीदर इलेक्ट्रिक, वोल्टास, सीईएलबीआई और रिलैक्सो शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि अगले चरण में लद्दाख से 50 छात्रों का एक और बैच वोकेशनल ट्रेनिंग के लिए भेजा जाएगा। सक्सेना ने युवाओं को लद्दाख की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि उन्हें इंडस्ट्री के हिसाब से ज़रूरी स्किल्स से सशक्त बनाना इस क्षेत्र के भविष्य के लिए सबसे सार्थक निवेशों में से एक है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता यह पक्का करना है कि लद्दाख के युवा न केवल शिक्षित हों बल्कि उनमें ऐसी व्यावहारिक स्किल्स भी हों जो इंडस्ट्री और आधुनिक अर्थव्यवस्था की बदलती ज़रूरतों के हिसाब से हों। अच्छी क्वालिटी की रोज़गार से जुड़ी ट्रेनिंग देकर और नौकरी के मौके उपलब्ध कराकर, प्रशासन टिकाऊ आजीविका के रास्ते बना रहा है आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रहा है और एक कुशल, आत्मविश्वास से भरे और भविष्य के लिए तैयार वर्कफोर्स का निर्माण कर रहा है।